राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE: HARHIN11569

वर्ष 1, अंक 229, पेज 8, मूल्य 1 रूपये सोमवार, 4 नवंबर 2024 samachargate@gmail.com

सिंथेटिक दूध, नकली पनीर, नकली मिठाई, क्या होगा सेहत का ?

Page 3

सीएम सैनी ने खुद बनाईं जलेबियां, राहुल गांधी को दिया ये खास संदेश

चंडीगढ़। चंडीगढ़(धरणी)-हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना में चर्चित बड़ी जलेबियां बनाने वाली दुकान पर जलेबियां तली और बनाई। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गोहाना की जलेबियों को लेकर तारीफ करते हुए कहा था कि वह जलेबी बनाने की फैक्ट्री लगा देंगे, जिसमें लोगों को रोजगार मिलेगा।

इसे लेकर बीजेपी ने उस समय राहुल गांधी समेत कांग्रेस पर जमकर हमला बोला था। इतना ही नहीं, बीजेपी के अलावा आम जनता में भी राहुल गांधी के इस बयान को लेकर काफी मजाक हुआ था। राहुल गांधी का यह बयान पूरे देश की मीडिया में छा गया था, क्योंकि हरियाणा के गोहाना की जलेबियां ना केवल हरियाणा, बल्कि पूरे देश में प्रसिद्ध है। हरियाणा के अलावा पड़ोसी राज्यों में भी यहां से जलेबियों की सप्लाई की जाती है।

जाटलैंड में बीजेपी ने लगा दी सेंध

राहुल गांधी के इस बयान के बाद जहां पूरे प्रदेश में उनका मजाक बना, बल्कि जाट लैंड के साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के गढ़ में भी इस बार बीजेपी सेंधमारी करने में सफल हो गई। गोहाना से पहली भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर डॉ. अरविंद शर्मा ने जीत हासिल की। इससे पहले यहां से भारतीय जनता पार्टी का कोई भी उम्मीदवार जीत नहीं दर्ज कर पाया था।

लड्डू की जगह बांटी थी जलेबियां

विधानसभा चुनाव में जीत मिलने और राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनने पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इस बार लड्डू के स्थान पर जलेबी को प्रमुखता दी थी। बकायदा बीजेपी के एक नेता ने तो राहुल गांधी को भी जलेबियां गिफ्ट में भिजवा दी थी।

सीएम ने राहुल गांधी को दिया संदेश

हरियाणा दिवस के मौके पर गोहाना पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खुद जलेबियां तलकर राहुल गांधी और कांग्रेस के नेताओं को यह संदेश देने की कोशिश की है कि जलेबियां किसी फैक्ट्री में नहीं, बल्कि इंसान के हाथों से ही बनाई जाती है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री ने खुद जलेबियां बनाकर बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल और कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के साथ मिलकर उनका स्वाद भी चखा। मुख्यमंत्री की ओर से खुद जलेबियां बनाना पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। मुख्यमंत्री के जलेबी बनाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है।

साले के बुलाने पर झगड़ा सुलझाने गया था, बदमाशों ने बेदर्दी से उतारा मौत के घाट

करनाल। करनाल में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पड़ोसियों के साथ चल रहे झगड़े को सुलझाने के दौरान हमलावरों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। घायल युवक को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सत्री के रूप में हुई है। वह तरावड़ी के वार्ड नंबर 7 दयानगर का रहने वाला था। मृतक के छोटे भाई प्रिंस ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की देर रात उसके बड़े भाई सत्री के पास उसके साले सुनील का फोन आया था। सुनील ने उन्हें फोन करके बताया कि तखाना गांव में पड़ोसियों से किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा है। साला चाहता था कि उसका जीजा यानी सत्री गांव आकर झगड़ा सुलझा दे। इसके बाद सत्री तखाना गांव पहुंच गया। सत्री ने गांव पहुंचकर आरोपियों को समझाने की कोशिश की। लेकिन वह नहीं माने। प्रिंस ने बताया कि मौके पर मौजूद रूपेश, अमर, गोलु, प्रदीप, फूलो, राजबाला, बिट्टू और नीरज ने सत्री को पीटना शुरू कर दिया। प्रिंस का आरोप है कि सभी ने सत्री को पकड़ लिया और अमर ने उसके भाई सत्री के पेट में चाकू घोंप दिया। इससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। घायल सत्री को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तरावड़ी थाना प्रभारी मुकेश कुमार का कहना है कि प्रिंस की शिकायत के आधार पर 8 हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश कर उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चार माह की गर्भवती महिला को 100 मीटर तक घसीटते ले गया ट्रक चालक, पति से साथ जा रही थी मायके

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में भिवानी रोड पर लाहली गांव के नजदीक ट्रक चालक ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में 19 साल की विवाहिता की मौत हो गई, जो चार माह की गर्भवती थी। इस संबंध में कलानौर थाने में ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। भिवानी जिले के गांव खरक खुर्द निवासी अजय ने बताया कि छह माह पहले उसकी शादी रोहतक जिले के गांव गरनावठी निवासी मीनाक्षी के साथ हुई थी। बुधवार को वह पत्नी मीनाक्षी को उसके मायके मिलाने के लिए ले गया था। छोटी दिवाली के दिन शाम 6 बजे दोनों बाइक पर वापस खरक खुर्द गांव आ रहे थे। जब लाहली गांव के पास पहुंचे तो ब्रेकर पर उसने बाइक धीमी कर दी। इसी बीच पीछे से तेज गति से आए ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अजय साइड में गिर गया, जबकि मीनाक्षी ट्रक के आगे गिर गई। पिछले टायर में फंसने से ट्रक चालक उसे 100 मीटर तक घसीटते ले गया। उसने किसी तरह ट्रक को रुकवाया और मीनाक्षी को टायर के नीचे से निकालकर संभाला, मीनाक्षी लहूलुहान हो चुकी थी। अगले ही पल उसने दम तोड़ दिया। आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

दिवाली के बाद हरियाणा की हवा में घुला जहर, अंबाला देश में सबसे प्रदूषित...किसान भी नहीं आए बाज

चंडीगढ़। प्रकाशपर्व दिवाली पर हुई आतिशबाजी के बाद शुक्रवार को हरियाणा की हवा की सेहत बेहद खराब रही। प्रदेश में केवल दो घंटे ग्रीन पटाखे चलाने के आदेश बेअसर रहे। इससे हरियाणा के 19 जिलों की हवा दूषित हुई और अंबाला ने देश में सबसे प्रदूषित शहर का रिकॉर्ड अपने नाम किया। अंबाला का एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 367 दर्ज किया गया। इसकी एक बड़ी वजह अंबाला से सटे पंजाब में पराली का खूब जलना भी रहा। पंजाब में 31 अक्तूबर को पराली जलने के 484 और एक नवंबर को 587 मामले दर्ज किए गए, जो इस सीजन में सबसे अधिक हैं। इसी कारण पंजाब से सटे जीटी बेल्ट के जिलों में ही प्रदूषित कणों की यह मोटी चादर छाई रही। वहीं, दिल्ली में सुबह नौ बजे 362 एक्यूआई के साथ हवा बहुत खराब श्रेणी में रही।

पटाखों की आड़ में जली पराली

हरियाणा में भी पटाखों की आड़ में किसानों ने पराली को खूब आग लगाई। 31 अक्तूबर को 42 व एक नवंबर को 35 मामले दर्ज किए गए। इससे पहले, 15 अक्तूबर को सबसे अधिक 42 मामले दर्ज किए गए थे। उसके बाद सख्ती बरतने से इसमें कमी देखी गई थी। हरियाणा में अब तक पराली जलाने के कुल 819 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। हालांकि सरकार का मानना है कि इस बार पराली जलने के मामलों में करीब 35 फीसदी की गिरावट है। पिछले साल एक नवंबर तक 1296 मामले सामने आ चुके थे। यह बीते तीन वर्षों में दिल्ली के लिए सबसे प्रदूषित दिवाली थी। यही नहीं, नई दिल्ली शुक्रवार को विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शीर्ष पर रहा। इनके अलावा, गुरुग्राम का एक्यूआई 309 व कुरुक्षेत्र का 306 दर्ज किया गया। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का एक्यूआई भी 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। हरियाणा के बाकी शहरों का एक्यूआई 300 से नीचे दर्ज किया गया।

बोटिंग के दौरान सेल्फी ले रहा था युवक, अचानक जली गई जान...दोस्तों के साथ गया था घूमने

गुरुग्राम। दीपावली के दिन दमदमा झील में बोटिंग करने के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में 26 वर्षीय युवक पानी में डूब गया। युवक को उसके दोस्त ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सोहना पुलिस ने गोताखोर की मदद ली। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद युवक के शव को झील से बाहर निकाला गया। पुलिस ने दोस्तों के बयान और परिजनों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। सोहना एरिया के गांव अभयपुर निवासी अविनाश दमदमा गांव के निकट बूटा नेक्स कंपनी में काम करता था। वह दीपावली के दिन वीरवार को अपने तीन दोस्त दीपक, रोहित व मनीष के साथ दमदमा झील पर गया था। वह दोस्तों के साथ झील में बोटिंग कर रहा था। इसी दौरान अविनाश सेल्फी लेने लगा तो उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह झील में गिर गया। थाना प्रभारी जगजीत सिंह ने बताया कि उन्हें दमदमा झील में युवक के डूबने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने शव को बाहर निकालकर जांच की। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सेल्फी लेने के दौरान अविनाश पानी में डूब गया था। अविनाश के परिजनों को हादसे की सूचना देकर उसका शव सोहना अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। दोस्तों के बयान और परिजनों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

दिवाली पर बहू ने सास को उतारा मौत के घाट, वजह जान होगी हैरानी

करनाल। हरियाणा के करनाल में दिवाली के दिन एक महिला अलीशा ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपनी सास सीनो को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद महिला अपने दोनों बच्चों को लेकर घर से फरार हो गई। अलीशा का पति नाइट शिफ्ट में प्राइवेट कंपनी में काम करता था। सुबह जब वो घर लौटा तो उसने देखा कि उसकी मां की मौत हो चुकी है और उसकी पत्नी दोनों बच्चों के साथ घर से फरार है। वही ससुराल वालों का कहना है कि 8 साल पहले उसने अपने देवर की भी हत्या की थी। जानकारी के मुताबिक, यह घटना हरियाणा के करनाल के ऊंचा समाना गांव की है। महिला की मौत की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। इस घटना पर सीनो के भतीजे का कहना है कि उसकी बुआ सुबह साढ़े चार बजे नमाज पढ़ रही थी। उसी वक्त अलीशा ने अपने प्रेमी को बुलाकर उसकी हत्या कर दी। हमें सुबह बताया गया कि बुआ की तबियत खराब है, तो हम यहां आए। इसके बाद देखा तो शरीर नीला पड़ा हुआ था और उनके चेहरे पर मारपीट के निशान और गले पर भी निशान थे। आरोप है कि अलीशा का पड़ोस के किसी युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था और हमें शक है कि अलीशा ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर ऐसा किया है। घटना के बाद से ही वो युवक और अलीशा दोनों गायब हैं। असमत ने बताया कि पहले भी अलीशा ने कई बार मारपीट की थी और इसकी शिकायत भी पुलिस को दी गई थी। इसके बाद बहू को बेदखल कर दिया गया था और फिर भी उसकी हरकतों में सुधार नहीं आया। वहीं हमें ये भी शक है कि 8 साल पहले उसने दूध में जहर देकर अपने देवर की भी हत्या की थी।

कांग्रेस ने एक बार फिर ईसीआई पर लगाए आरोप, कहा- शिकायतों पर स्पष्टीकरण देने के बजाय दिया गोल-मोल जवाब

नई दिल्ली/ चंडीगढ़। कांग्रेस ने एक बार फिर हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को घेरा है। कांग्रेस ने कहा कि आयोग ने हरियाणा चुनाव से संबंधित उसकी शिकायतों पर स्पष्टीकरण देने के बजाय गोल-मोल जवाब दिए। इतना ही नही उसने ईसी पर खुद को ही क्लीन चिट देने के भी आरोप लगाए।

कांग्रेस ने कहा, 'हरियाणा चुनाव को लेकर हमारी शिकायतें स्पष्ट थीं, निर्वाचन आयोग ने पहले की तरह ढुलमुल रवैया अपनाते हुए शिकायतों को रफा-दफा किया। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि कोई आश्चर्य की बात नहीं है, चुनाव आयोग ने खुद को क्लीन चिट दी। हरियाणा चुनाव से संबंधित शिकायतों पर इसके जवाब का लहजा अहंकार भरा था। कांग्रेस ने आगे कहा, चुनाव आयोग का यह लक्ष्य है कि वह अपने तटस्थ स्वरूप को पूरी तरह खत्म करना चाहता है तो वह इस दिशा में जबरदस्त रूप से आगे बढ़ रहा है।

इससे पहले चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के कांग्रेस के आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यहीन बताकर खारिज कर दिया है। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोपों से दूर रहने के लिए भी लिखा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने बीते एक साल के पांच ऐसे विशिष्ट मामलों का हवाला भी दिया है।

आयोग ने इन मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को बिना किसी सबूत के चुनावी कार्यों पर आदतन हमलों से बचना चाहिए। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी को लिखे गए पत्र में 'सामान्य' संदेह का दावा कर हवा बनाने का आरोप लगाया। इस संदर्भ में आयोग ने कांग्रेस को सख्ती के साथ भविष्य में निराधार आरोपों से बचने का परामर्श भी दिया है। इतना ही नहीं चुनाव आयोग ने कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर निराधार और सनसनीखेज शिकायतों के प्रति आगाह किया।

इस पाकिस्तानी सांसद ने हरियाणा में मनाई दीवाली, चौटाला परिवार के साथ इनका है खास रिश्ता?

सिरसा। पाकिस्तान के सांसद अब्दुल रहमान ने सिरसा के चौटाला गांव में चौटाला परिवार के साथ दीपावली मनाई। सांसद अब्दुल रहमान पाकिस्तान में मेयर भी रह चुके हैं और 22 साल की उम्र में सबसे कम आयु के मेयर बनने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। वे चौटाला गांव में दीपावली की रात को डबवाली विधायक आदित्य चौटाला और रानियां विधायक अर्जुन चौटाला के जीत की खुशी में रखे गए अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अर्जुन चौटाला और कर्ण चौटाला को अपना भाई समझता हूं और भतीजा भी। आप लोगों ने आदित्य और अर्जुन चौटाला को विधायक बनाया। अभय चौटाला से जब भी बात होती थी तो चौटाला गांव से शुरू होती और वहीं पर ही खत्म हो जाती थी। अब्दुल रहमान ने कहा कि अभय चौटाला हरियाणा के शेर हैं। जब भी विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेते थे तो उसे इंटरनेट पर देखने में मजा आता था। इन्हें जब लाठी मारने की जरूरत होती थी तो ये लाठी मार देते थे।

उन्होंने पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की समाधि पर जाकर उन्हें नमन किया। उन्होंने हिंदुस्तान और पाकिस्तान में अमन की कामना की। बोले, दोनों देशों के रिश्ते मजबूत बने रहें। सांसद अब्दुल रहमान ने दीपावली पर कामना की है कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान की अवाम में खुशियां लौटे। उन्होंने कहा, मैं आपको अपनी तरफ से सलाम पेश करता हूं। मेरे दादा अमीर खान और मेरे वालिद को अपने इलाके की खिदमत करने का मौका मिला।

पूर्व मंत्री के भाई हनीट्रेप में फंसे; रेप केस की धमकी देकर 13.50 लाख ठगे, पुलिस ने महिला को रंगेहाथ पकड़ा

ऊकलाना। हरियाणा के पूर्व मंत्री अनूप धानक के छोटे भाई सतीश धानक को एक महिला ने हनीट्रैप में फंसा लिया। महिला ने उन्हें रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 9 लाख रुपए मांगे। महिला इस केस में सतीश धानक से पहले 13.5 लाख रुपए ऐंठ चुकी है। तंग आकर हनीट्रैप में फंसे पूर्व मंत्री के भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर एक महिला को 2.30 लाख रुपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

ऐसे फसाया पूर्व मंत्री के भाई को

पूर्व मंत्री अनूप धानक के छोटे भाई सतीश धानक ने शिकायत में बताया कि वह हिसार के अमरदीप कॉलोनी में रहता है। और अपने भाई पूर्व मंत्री अनूप धानक का राजनीतिक काम संभालता है। करीब 2 साल पहले 2022 में ऊकलाना मंडी स्थित उसके घर पर एक महिला उससे मिली थी। महिला ने उससे कहा था कि वह बुढ़ाखेड़ा गांव में मनरेगा में काम करती है। उसने श्रमिक कार्ड की कॉपी बनवाने को कहा था। इसके बाद महिला अपने काम के सिलसिले में कई बार उससे मिली। उसने महिला का कई बार काम करवाया। एक-दो बार उसने पैसों से भी मदद की। उसका आरोप है कि महिला धीरे-धीरे उससे संबंध बनाने के बारे में सोचने लगी। उसने उसे साफ मना कर दिया। इसके बाद उसने महिला से दूरी बना ली और उसकी मदद करना भी बंद कर दिया।

वॉट्सऐप मैसेज भेजने किए शुरू

इसके बाद महिला ने अपने मोबाइल से उसे वॉट्सऐप मैसेज भेजने शुरू कर दिए। इसके बाद उसने अपनी और अपने भाई अनूप धानक की बदनामी के डर से मतलौड़ा गांव निवासी अपने भाई सतीश को सारी बातें बताईं और नीलम से संपर्क करने को कहा। सतीश ने 14 मई 2023 को महिला को 6 लाख 50 हजार रुपए उसके घर पर दे दिए। सतीश धानक का कहना है कि महिला ने इसके बाद 10 जुलाई को फिर से 1 लाख 50 हजार रुपए की डिमांड सतीश मतलौड़ा से की। उसने कहा कि अभी उसके 10 लाख रुपए पूरे नहीं हुए हैं। मेरे को आपने साढ़े 3 लाख रुपए कम दिए हैं। रुपए पूरे करोगे, तभी मैं मानूंगी। फिर हमने रुपए देने से इनकार किया। इसके बाद महिला ने अपने जानकार को 10 सितंबर 2023 को वॉट्सऐप के माध्यम से एक शिकायत भेजी।

मीडिया को इकट्ठा करने की दी धमकी

जानकार उससे कहा कि महिला आपके खिलाफ शिकायत दे रही है। उसकी जो मांग है, वो पूरी कर दो। फिर उसने धर्म भाई सतीश के द्वारा 5 लाख रुपए में बात की। महिला को 3 लाख रुपए हिसार कोर्ट परिसर में 21 सितंबर 2023 को दे दिये। इसके बाद 2 लाख रुपए 28 दिसंबर 2023 को दिये। महिला ने दोनों बार शपथ पत्र तैयार कराए। उन्होंने बताया ने बताया कि इसके बाद विधानसभा चुनाव के दौरान 2 अक्टूबर 2024 को पूर्व सरपंच मदन लाल किनाला ने उनके साथ रहने वाले गांव भैरी अकबरपुर निवासी धूप सिंह थाकन के मोबाइल नंबर पर रात 11 बजे फोन किया। उसने कहा कि अपने परिचित सतीश धानक से कहो कि तुम्हारा और नीलम का मामला फिर से चुनाव में उठेगा। कल ही विधानसभा चुनाव में तुम्हारी पार्टी का वोट बैंक गिर जाएगा। महिला उससे मिल चुकी है। अब वह मीडिया को इकट्ठा करेगी।

उन्होंने बताया कि मदन किनाला और महिला 3 अक्टूबर को दौलतपुर रोड ऊकलाना के सामने हमारे घर आए। वे ब्रेजा कार में सवार थे। उन्होंने उसके धर्म भाई सतीश मतलौडा से कहा कि उन्हें 25 लाख रुपए दे दो, नहीं तो वे मीडिया को यहां बुलाकर सारा मामला उजागर कर देंगे। सतीश मतलौड़ा ने मदन किनाला और महिला को 8 लाख रुपए में राजी कर लिया। 4 अक्टूबर को उसने जानबूझ कर धूप सिंह थाकन से 2 लाख रुपए उनके लिए मंगवा लिए।

महिला और 2 अन्य के खिलाफ केस

पुलिस ने ऊकलाना थाने में सतीश धानक की शिकायत पर महिला और उसके 2 साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसके बाद महिला को रंगे हाथों गिरफ्तार करने की योजना तैयार की गई। पुलिस ने अब महिला को 2.30 लाख रुपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस पूरे मामले में धारा 384, 389, 34 आईपीसी और 308(2), 308(6), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। महिला से पूछताछ जारी है।

ऊकलाना थाना प्रभारी गुरविंदर सिंह ने बताया कि मामले में पुलिस ने सतीश धानक की शिकायत पर केस दर्ज किया है और आरोपी महिला को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। गिरफ्तार महिला को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

सोहना : दो पक्षों में खूनी संघर्ष, जमकर चले चाकू-कुल्हाड़ी, महिला सहित 5 घायल

सोहना। गुरुग्राम के सोहना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में शनिवार खूनी संघर्ष में हुआ। झगड़े में जमकर कुल्हाडी व चाकू चले, जिसके चलते इस में दो युवकों को चाकू व कुल्हाड़ी से गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसमें एक युवक को दिल्ली और दूसरे को गंभीर हालत में गुरुग्राम में भर्ती किया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर 2 नामजद व कई अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज मामले के अनुसार जखोपुर निवासी धर्मपाल ने बताया कि उसका लड़का संजय गांव में एक दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान जखोपुर निवासी आतिश दुकान पर आया व उसने संजय से कहा कि वह उसे देखकर जांघों को फटकारता है। जिस पर दोनों में आपसी बहस हो गई। इस दौरान आतिश ने अपने भाइयों मे दोस्तों को मौके पर बुला लिया, जो सभी लाठी डंडों से लैस थे। आतिश के पास कुल्हाडी थी, वह उसके भाई के पास चाकू था। उन्होंने आकर संजय पर वार शुरू कर दिया। इसी दौरान संजय के भाई विक्रम कृष्णा व उसकी मां व विक्रम की पत्नी पूनम उन्हें बचाने के लिए आए, तो उन्होंने उन पर भी वार कर दिया। बताया जा रहा है कि पहले भी आतिश और संजय का झगड़ा हुआ था। झगड़े में संजय विक्रम व कृष्ण को गंभीर चोटें आई है। वही विक्रम की पत्नी पूनम व उसकी मां व उसके पिता धर्मपाल को भी चोट लगी है जिन्हें सोहना के नागरिक अस्पताल भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी अजय वीर सिंह भड़ाना ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की शिकायत लेकर मामले की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सुनीता दुग्गल की लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने की दिखी टिस, भाजपा के शीर्ष नेताओं को दे डाली ये नसीहत

सिरसा। सिरसा की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल की अपनी ही पार्टी के खिलाफ नाराज दिखी। उन्होंनें बीजेपी व अशोक तंवर के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंनें कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश में सही तरीके से टिकटों का वितरण नहीं किया। टिकटें सही नहीं देने की वजह से हरियाणा में काफी नुकसान हुआ। अशोक तंवर को टिकट देने की वजह से सिरसा लोकसभा सीट से हुई हार।

उन्होंनें कहा कि जिस व्यक्ति को सिरसा लोकसभा की जनता ने पिछले 10 साल से नकार दिया था उस व्यक्ति को भाजपा ने सिरसा लोकसभा सीट से टिकट दे दी। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की जनता को अशोक तंवर को भाजपा की टिकट देना मंजूर नहीं हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मुझे टिकट दी थी और मैंने चुनाव में 3 लाख 10 हजार वोटों से जीत हासिल की थी। भाजपा ने 2024 में अशोक तंवर को सिरसा लोकसभा सीट से टिकट दी अशोक तंवर 2 लाख 80 हजार वोटों से हारे हैं। अशोक तंवर को सिरसा लोकसभा से टिकट देने के बाद भाजपा ने करीब 6 लाख वोट खो दिए। अशोक तंवर लोकसभा चुनाव में हार के बाद विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस में भाग गए। लोकसभा चुनाव में जनता के खोए हुए विश्वास को विधानसभा चुनाव में दोबारा हासिल करना टेढी खीर थी लेकिन भाजपा ने कर दिखाया।

ईवीएम गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस पर तंज

कांग्रेस ने हरियाणा की जनता को अपमानित करने का काम किया है। हरियाणा की जनता ने अबकी बार भाजपा को पूर्णतय बहुमत दिया है। जिस प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं बनती है उस प्रदेश में कांग्रेस ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हैं। हिमाचल और तेलांगना में कांग्रेस की सरकार है उन प्रदेशों में कांग्रेस श्रड्डरूक्यों आरोप नहीं लगाती। उन्होंनें कहा कांग्रेस के नेताओं को जनता ने तीसरी बार नकार दिया है। लगातार हार के परिणामों पर कांग्रेस के नेताओं को मंथन करना चाहिए। सिरसा लोकसभा क्षेत्र से हम लोग भी हार का मंथन कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं को मतदाता पर विश्वास रखना चाहिए। आने वाले चुनावों में कांग्रेस को और भी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लाखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी तेज लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

देशभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 6.15 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 1.6 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 3.15 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 6.16 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

रेसिपी

मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप ■ पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम ■ हरी मिर्च: 2
- बारीक कटा प्याज: 1 ■ जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच ■ हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच ■ धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या परांठे के साथ सर्व करें।

पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3339

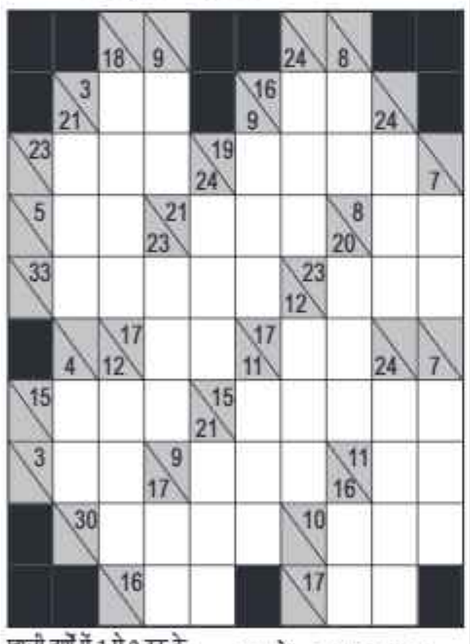

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3338 का हल

लॉफिंग जोंस

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए, मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुज़ूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा- पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3339

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होंठों पे' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्का की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरे' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3338

सूडोकु -3339

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3338 का हल

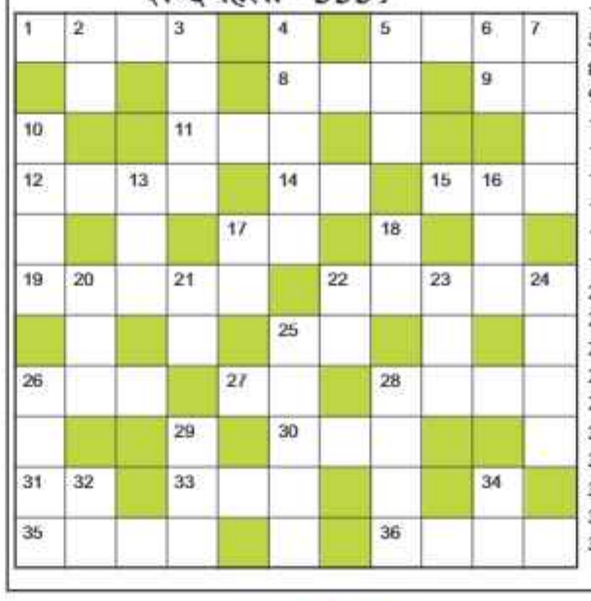

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3339

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलना,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2,2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3338 का हल

सिंथेटिक दूध, नकली पनीर, नकली मिठाई, क्या होगा सेहत का ?

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरूग्राम। आम जनता को विशेष रूप से त्योहार और वह भी दीपावली जैसे त्योहार के मौके पर गुणवत्ता पूरक और शुद्ध मिष्ठान खाद्य सामग्री के रूप में उपलब्ध हो । यह सुनिश्चित करना स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग सहित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित रहती है। पिछले 72 घंटे के दौरान दीपावली पर्व से लेकर भैया दूज का त्यौहार चली आ रही मानता और परंपराओं की पालना करते हुए मनाया गया। वर्ष भर में दीपावली के मौके पर ही सबसे अधिक खाद्य सामग्री के रूप में मिष्ठान अथवा विभिन्न प्रकार की मिठाई की खरीद और बिक्री होती है। इसमें किसी प्रकार की गुणवत्ता को लेकर कोताही न हो या गुणवत्ता बनी रहे। साफ-साफ शब्दों में किसी प्रकार की मिलावट न हो, यह सुनिश्चित करना प्रशासन और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी तथा जवाब देही दोनों ही होती है।

इस बार दीपावली पर्व के मौके पर पटौदी विधानसभा क्षेत्र के पटौदी सबडिवीजन, मानेसर सबडिवीजन तथा अन्य बड़े ग्रामीण मार्केट की हलचल पर ध्यान दिया जाए तो कहीं से भी किसी भी प्रकार की किसी भी मिठाई या मिष्ठान खाद्य सामग्री की सैंपलिंग की कोई सूचना अथवा जानकारी सामने नहीं आई है । यह अपने आप में व्यवस्था और सिस्टम पर अपने आप में एक बड़ा सवाल सहित चर्चा काम मुद्दा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। इस बात से बिल्कुल भी इनकार नहीं किया जा सकता की दूध का उत्पादन घट रहा है, लेकिन दूध अथवा छेना आधारित मिठाई की खपत लगातार पहले की तरह से ही बनी हुई है। समय-समय पर विभिन्न स्थानों से खबरें भी आती रहती हैं कि सिंथेटिक दूध, नकली पनीर, नकली मावा या फिर कम

गुणवत्ता की मिठाई संबंधित विभाग की छापेमारी में बरामद किया जाने के साथ ही नष्ट करवाई गई और जहां से यह सब बरामद हुआ उन प्रतिष्ठानों के संचालक अथवा मालिकों पर भी जुर्माना लगाया गया।

पटौदी विधानसभा क्षेत्र में दो सबडिवीजन पटौदी और मानेसर सबडिवीजन मौजूद है । एक सबसे बड़ा गांव बोहड़ाकला कला भी मौजूद है । इतना ही नहीं आसपास के बड़े गांव के केंद्र में बनी हुई मार्केट भी दिवाली जैसे त्योहार के मौके पर मिठाई की बिक्री और खरीद के लिए अपनी अलग ही पहचान बन चुकी है । संभवत भाजपा-तीन सरकार बनने के बाद में यह पहला मौका है ,जब मिष्ठान के खपत वाले सबसे बड़े त्यौहार के मौके पर पटौदी विधानसभा क्षेत्र में कथित रूप से किसी भी प्रकार की मिठाई या खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा लेने की जरूरत समझी गई। या फिर संबंधित विभाग और अधिकारियों को पूरा भरोसा हो गया कि अब तो राम राज्य आ गया। मिठाई और मिठाई आधारित खाद्य सामग्री गुणवत्ता की कसौटी पर 24 कैरेट सोने की तरह शुद्ध बनाई गई है ।

मिठाई से जुड़े हुए ऐसे मामले भी सामने आए हैं गिफ्ट में भेजी गई मिठाई 24 घंटे के अंदर ही अपना स्वरूप बदलने के लिए मजबूर हो गई। बहरहाल अब यह तो सरकार जिसके द्वारा दावा किया जाता है आम जनता को गुणवत्ता पर खाद्य सामग्री विशेष रूप से त्योहार के मौके पर उपलब्ध होती रहे । इसी सरकार के अधीन काम करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारी ही अब बेहतर जवाब दे सकेंगे ऐसी कौन सी एडवांस इनफॉरमेशन या फिर गारंटी कार्ड मिल गया ? जिससे यह तय कर लिया गया कि मिठाई अथवा खूब बिक्री हुआ और खरीदा गया मिष्ठान अपनी गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी तरह से शुद्ध ही है ?

नगर निगम चुनाव लडने वाले दावेदार पार्षदों में मची होड

दावेदारों ने अपनी जोर आजमाइश करना शुरू कर दिया है

दीवाली गोवर्धन और छठ पूजा के मौके पर इन लोगों ने अपने-अपने चहेते नेताओं के फोटो युक्त एक वार्ड से चार से पांच पार्षद पर उम्मीदवार होर्डिंग तैयार कराकर खंबो में लगवा दिए

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद की जगह 4जगह कॉलोनियों, गलियों व मोहल्लों सहित शहर की प्रमुख रोड पर खंबों पर इन दिनों होर्डिंग की भरमार लगी हुई है

चुनाव लडने वाले दावेदारों ने शहर में जगह-जगह अवैध रूप से होर्डिंग लगाकर जहां एक ओर शहरवासियों को बधाई दी है

फरीदाबाद। हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने के साथ ही नगर निगम पार्षद की चुनाव लडने वालों में होड़ मचना शुरू हो गया है। नगर निगम में चुनाव लडने वाले दावेदारों ने अपनी जोर आजमाइश करना शुरू कर दिया है।

त्योहारी सीजन में नगर निगम की चुनाव लडने वाले दावेदारों ने शहर में जगह-जगह अवैध रूप से होर्डिंग लगाकर जहां एक ओर शहरवासियों को बधाई दी है, वहीं दूसरी ओर होर्डिंग पर पार्षद पद उम्मीदवार लिखवाकर यह भी बता दिया कि वह भी चुनावी दंगल में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। फरीदाबाद की जगह 4जगह कॉलोनियों, गलियों व मोहल्लों सहित शहर की प्रमुख रोड पर खंबों पर इन दिनों होर्डिंग की भरमार लगी हुई है।

जिनमें से अधिकतर होर्डिंग उन लोगों के हैं, जो पार्षद पद के लिए चुनावी दंगल में उतरने की या तो स्वयं तैयारी कर रहे हैं या फिर वह अपनी पत्नी को चुनाव समर में उतारने के लिए आतुर है। दीवाली गोवर्धन और छठ पूजा के मौके पर इन लोगों ने अपने-अपने चहेते नेताओं के फोटो युक्त होर्डिंग तैयार कराकर खंबो में लगवा दिए।

एक वार्ड से चार से पांच पार्षद पर उम्मीदवार अभी से ही अपने नेताओं से टिकट पाने के लिए जुगत बैठा रहे हैं।

इतना ही नहीं यह लोग अभी से ही अपने-अपने वार्ड में लोगों से संपर्क करने में जुट चुके हैं। दावेदारी करने वाले नेता पार्टी के बड़े नेताओं से अपने लिए सिंबल देने की खूब जोर लगा रहे है।

माना जा रहा है की नागर निगम चुनाव दिसंबर या नए साल के जनवरी माह में होने की पूरी संभावना दिख रही है।

बच्ची से छेड़छाड़ को लेकर थाने के बाहर हिंदुओं का धरना, आरोपी के गिरफ्तारी की मांग

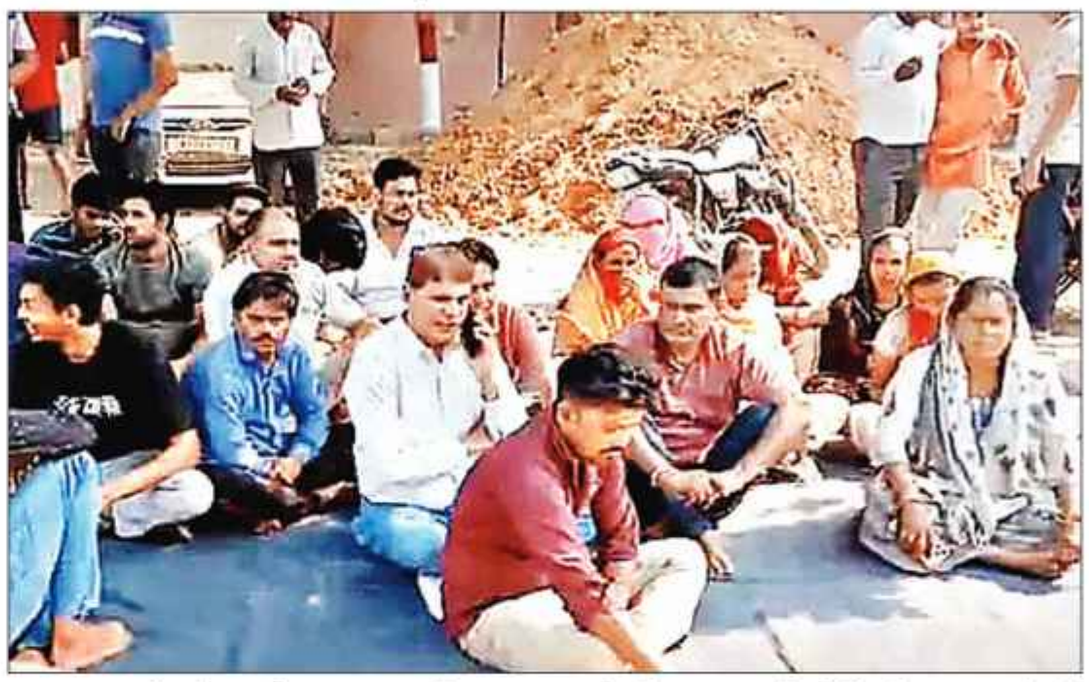

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ सेक्टर 62 आशियाना फ्लैट्स में 10 साल की बच्ची के साथ विशेष समुदाय के युवक द्वारा गलत हरकत करने के मामले ने अब दूसरा रुख अपना लिया है।

गौरतलब है की घटना 30 अक्टूबर की है, जब आशियाना फ्लैट में रह रही 10 साल की दलित बच्ची के साथ एक विशेष समुदाय के युवक ने गलत हरकत की थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया था, तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की थी। इसी से परेशान लगभग 15 घरों के बाहर विशेष समुदाय के आतंक के चलते अपने घरों को छोडक़र पलायन करने के पोस्टर चस्पा किए थे। लेकिन बावजूद उसके अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पीड़ित परिवार और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों समर्थक आज आदर्श नगर थाने पहुंचकर धरने पर बैठ गए। उनकी मांग है कि जल्दी आरोपियों गिरफ्तार किया जाए, नहीं तो उनका धरना समाप्त नहीं होगा। घटना फरीदाबाद के सेक्टर 62 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है, जहां पर इस तरह के पोस्टर अब भी मकानों के बाहर लगे हुए हैं। इस मामले में जानकारी देते हुए हाउसिंग बोर्ड के ही रहने वाले सुजीत कुमार ने बताया कि वह लोग विशेष दलित समुदाय से आते हैं। बीते 30 अक्टूबर को उनके पड़ोस की रहने वाली 10 साल की बच्ची के साथ अल्पसंख्यक कहे जाने वाले विशेष समुदाय के एक युवक ने गलत हरकत की थी। जब उन्होंने आरोपी के परिवार से इसकी शिकायत की तो उन्होंने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। सुजीत ने बताया कि झगड़े में उनके अपने समुदाय के लोगों को काफी चोटें आई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर एसीपी और थाना प्रभारी के साथ-साथ भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची थी। पुलिस हालांकि इस मामले में कार्रवाई कर रही थी लेकिन अभी भी आरोपी फकरू नाम का प्रधान अपने समाज के लोगों के साथ मिलकर उन्हें जान से मारने की धमकियां दे रहा है। इस मामले में जानकारी देते हुए बजरंग दल के कार्यकर्ता मोनू ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज सेक्टर 62 आशियाना फ्लैट्स के पीड़ित लोग आदर्श नगर थाने में बैठे हैं जब तक और कोई गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक उनका धरना समाप्त नहीं होगा।

गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थिति मैं मौत

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सुभाष कॉलोनी में रविवार को एक लगभग 23 वर्षीय शादीशुदा युवती की मौत का मामला सामने आया है। गौरतलब है कि युवती ने सुभाष कॉलोनी के रहने वाले विजय के साथ 24 जुलाई 2018 में लव मैरिज की थी। मृतिका विजयलक्ष्मी के शादी के बाद से दो बच्चे थे और विजयलक्ष्मी अभी लगभग 5 महीने की गर्भवती थी। जिसकी बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में मृतिका के भाई दिनेश और पिता ने विजयलक्ष्मी के पति विजय और ससुर रमेश व सास द्रोपदी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लव मैरिज के बाद से ही उसका पति विजय और उसके माता-पिता दहेज के रूप में मकान बनाने के लिए 2 लाख रुपए की डिमांड कर रहे थे, तभी से उनकी बेटी को परेशान किया जाता था। इतना ही नहीं, कई बार तो उसे कमरे में बंद कर पीटा भी जाता था। दिनेश ने बताया कि विजयलक्ष्मी ने जब से लव मैरिज की थी, उसे घर आने नहीं दिया जाता था और ना ही किसी से उसको मिलने दिया जाता था। बीती रात विजयलक्ष्मी के पति विजय के मामा के लडक़ेदीपक का फोन आया। उसने बताया कि विजयलक्ष्मी की तबीयत खराब है, आप बीके अस्पताल में आ जाओ। इसके बाद जब वह बादशाह खान सिविल अस्पताल में विजयलक्ष्मी से मिलने के लिए पहुंचा तो वहां पर मौजूद विजय और उसके माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों ने विजयलक्ष्मी से मिलने नहीं दिया। इसकी जानकारी उसने अपने परिवार वालों को दी। इसके बाद उसके परिजन पहुंचे तब तक तक विजयलक्ष्मी को बादशाह खान सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखा जा चुका था। उन्हें विजयलक्ष्मी के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं गले पर भी फांसी का फंदा लगने का निशान मिला है। उन्हें यकीन है कि विजय लक्ष्मी के साथ पहले मारपीट की गई और उसके बाद उसे फांसी के फंदे पर लटकाया गया है। इसलिए वह चाहते हैं कि वह लक्ष्मी के पति विजय और उसके माता-पिता के खिलाफ पुलिस सख्त से सख्त कानून कार्रवाई करे। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को भी दी है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

जमीन विवाद में हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/ सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दे कि पुलिस चौकी IMT बल्लबगढ़ में हरेंद्र पुत्र जीत सिंह निवासी नीमका ने एक शिकायत दी। उसने अपनी शिकायत में बताया कि करीब 45 दिन पहले कुछ लोगो ने उनके खेत की नहरी पानी की नाली काट दी थी। 01 नवंबर को वह अपने भाई केविंदर, पिता जीत सिंह व चाचा के लड़के रणमस्त के साथ नाली को बना रहे थे तभी मौका पर रमेश, देवेंद्र, केशराम, टिंकू आ गए और गाली गलोज करने लगे और उन्होंने बब्बे वासी मुझेड़ी व अन्य 5/6 लोगों को मौके पर बुला लिया और झगडा शुरू कर दिया। इसी दौरान झगड़े में उन लोगों ने भाई केविंदर के सिर में फावडा से चोट मार दी, चोट लगने से केविंदर मौके पर ही बेहोश होकर गिर गया। जिस दौरान शोर मचा दिया तो ये सभी लोग मौका से भाग गए और मैं मेरे पिताजी व चचेरा भाई रणमस्त मेरे भाई केवेंद्र को इलाज के लिए सर्वोदय हॉस्पिटल सेक्टर 8 फरीदाबाद ले गए। केविंदर की हालत ज्यादा खराब होने पर ट्रॉमा सेंटर दिल्ली गए जहां पर इलाज के दौरान केविंदर को लगी चोटो के कारण मौत हो गई।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत पर पुलिस चौकी द्वारा थाना सदर बल्लबगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी केशराम (77) को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी गांव नीमका के रहने वाला है। आरोपी को पूछताछ के बाद 1 दिन के रिमांड पर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

फसल अवशेष प्रबंधन पर किसान को प्रति एकड़ मिलेंगे एक हजार रूपए: खड़गटा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। धान उत्पादक किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार एक हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि किसान धान की कटाई के बाद अपने खेत में आग ना लगाएं। आग लगाने से वायु प्रदूषण होता है और मिट्टी के पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं।

उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना एसवी-82, 2024-25 के तहत अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को प्रति एकड़ एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी तथा वातावरण को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी। जिला के किसान हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, रिवर्सेबल एमबी प्लॉव व जीरो टिल सीड ड्रील की सहायता से धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसान को विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर आवेदन करना होगा। ग्राम स्तरीय कमेटी (वीएलसी) से सत्यापन होने के बाद पात्र किसानों को प्रोत्साहन राशि का लाभ दे दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग से किसान अनुदान पर रोटावेटर, एमबी प्लाव, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर आदि आधुनिक कृषि यंत्रों की खरीद कर सकते हैं।

हाईकमान किसी दूसरे को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाने की संभावनाएं तलाश रहा

डॉ. मोहन तिवारी

हरियाणा कांग्रेस में बड़ी धर्मसंकट है की हरियाणा की राजनीति में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बगैर राजनीतिक प्रगति संभव नहीं दिख रही है। विधायक दल के नेता का नाम पहले और प्रदेश अध्यक्ष का नाम बाद में होगा घोषित हाईकमान कर सकता है।

हरियाणा कांग्रेस पार्टी में सिर्फ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का एकाधिकार ना रहे, इसके लिए हुड्डा के स्थान पर किसी दूसरे को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाने की चर्चा तेज चल रही है। वहीं दूसरा पहलू यह भी है कि हुड्डा के बिना कांग्रेस की राजनीतिक प्रगति संभव कहीं से भी नहीं दिख रही है, लेकिन इसके बावजूद सूत्रों के मुताबिक हाईकमान किसी दूसरे को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाने की संभावनाएं तलाशने में जुटा हुआ है। जबकि हरियाणा कांग्रेस में हार की वजह में प्रमुख मुद्दा खींचतान से पार्टी के हाथ से छूट गई सत्ता रहा है। रणनीतिकारों को पूरी उम्मीद थी कि हरियाणा राज्य में पूर्ण बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनेगी, लेकिन पार्टी के राज्य स्तरीय नेताओं की आपसी खींचतान ने कांग्रेस को पांच साल पीछे धकेल दिया है। वहीं पार्टी के अंदर खाने से सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसर विधानसभा चुनाव के बाद से हरियाणा कांग्रेस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। विधायक दल के नेता के लिए लॉबिंग चल रही है तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद पर भी नई नियुक्ति की संभावना जोर पकड़ रही है।

कांग्रेस महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा को पार्टी हाईकमान द्वारा एक बार फिर से हरियाणा में प्रदेश अध्यक्ष की प्रमुख जिम्मेदारी दे सकती है। सूत्र की मानें तो वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट ने प्रदेश अध्यक्ष के पद पर सैलजा की नियुक्ति को रोकने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। हरियाणा विधानसभा में इस बार कांग्रेस के 37 विधायक चुनकर आए हैं, जिनमें से 33 विधायक हुड्डा समर्थक हैं। चार विधायकों को कुमारी सैलजा समर्थक माना जाता है। ऐसे में हरियाणा कांग्रेस में बड़ी धर्मसंकट है की हरियाणा की राजनीति में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बगैर राजनीतिक प्रगति संभव नहीं दिख रही है। विधायक दल के नेता का नाम पहले और प्रदेश अध्यक्ष का नाम बाद में होगा घोषित हाईकमान कर सकता है। वहीं दूसरी तरफ जानकारी यह भी मिल रही है की कांग्रेस विधायक दल के नेता का नाम आठ नवंबर से पहले घोषित किया जा सकता है और प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा में बहुत जल्दी हो सकती है। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान होडल से स्वयं चुनाव हार गए थे उनकी गिनती हुड्डा समर्थकों में मानी जाती है। वहीं आठ नवंबर से विधानसभा का शीतकालीन सत्र आरंभ होने की संभावना मानी जा रही है।

लेखक के निजी विचार हैं। लेखक/राजनीतिक विश्लेषक / राजनीतिक रणनीतिकार/ वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हरियाणा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित: धीरेंद्र खड़गटा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं से हरियाणा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कारों के लिए 27 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरुस्कारों के बारे में अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाईट www.wcdhry.gov.in पर सपंर्क किया जा सकता है।

उपायुक्त ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों में श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार के तहत एक लाख 50 हजार रूपए एवं प्रशस्ति पत्र, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत एक लाख 50 हजार रूपए एवं प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के तहत एक लाख रूपए एवं प्रशस्ति पत्र, बहन श्रन्नों देवी पंचातीराज पुरस्कार के तहत एक लाख रूपए एवं प्रशस्ति पत्र, लाईफ टाईम अचीवर्स पुरस्कार के तहत 51 हजार रूपए एवं प्रशस्ति पत्र व सोशल वर्क श्रेणी में विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भौतिक ही नहीं, आध्यात्मिक रोशनी का पर्व है दीपावली

ललित गर्ग

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है।

दीपावली एक समृद्धि, खुशहाली एवं रोशनी का लौकिक पर्व है। वह जितना भौतिक पर्व है, उतना ही आध्यात्मिक पर्व भी है, इसलिये यह केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का पर्व भी बने। हम भीतर में धर्म का दीप जलाकर मोह और मूर्च्छा के अंधकार को दूर कर सकते हैं। दीपावली के मौके पर सभी आमतौर से अपने घरों की साफ-सफाई, साज-सज्जा और उसे संवारने-निखारने का प्रयास करते हैं। उसी प्रकार अगर भीतर चेतना के आँगन पर जमे कर्म के कचरे को बुहारकर साफ किया जाए, उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास किया जाए और उसमें आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर दिया जाए तो मनुष्य शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद को प्राप्त हो सकता है।

दीपावली का सम्पूर्ण पर्व एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक प्रकार की गति है। एक सत्य से दूसरे सत्य की ओर अनवरत, अनिरुद्ध गति ही दीपावली की जीवंतता है। जीवन के अनेक अनुभवों का समवाय है दीपावली। एक अनुभूति से दूसरी अनुभूति तक की यात्रा में जो दीपावली के विलक्षण एवं अद्भुत क्षणों की गति है, वही जीवन की वास्तविकता है। जीवन एक यात्रा है, सतत यात्रा। ठीक इसी तरह दीपावली भी एक यात्रा है, एक प्रस्थान है, कुछ नया पाने की, अनूठा करने की। समय बह रहा है, जीवन बीत रहा है। वर्ष पर वर्ष, माह पर माह, दिन पर दिन एवं पलों पर पल बीत रहे हैं, सांसों के घट रीत रहे हैं। इन घटती सांसों को अर्थपूर्ण बनाने, सम्पूर्णता से जी लेने एवं उपयोगी करने का पर्व है दीपावली। वृक्ष भी जीते हैं, पशु-पक्षी भी जीते हैं, परंतु वास्तविक जीवन वे ही जीते हैं, जिनका मन मनन का उपजीवी हो। मननशीलता की संपदा मानव को सहज उपलब्ध है। अपेक्षा है उसका सम्यक् उपयोग और विकास कर जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करें। उजालों का स्वागत करें।

दीपावली की रात भारत भूमि पर आसमान उतर आता है। ज्यों आकाश में तारे टिमटिमाते हैं, सो उस रात धरा पर दिए टिमटिमाते हैं। चांद से रीती इस रात का हर पक्ष उजला है। अमावस कहकर कोई याद नहीं रखता इसे। इसमें इतना उजास जो है। कहते हैं सूनी राह पर, अकेले द्वार पर, कुएं की तन्हा मेड़ पर और उजाड़ तक में दीप रखने चाहिए। कोई भूले-भटके भी कहीं किसी राह पर निकले, तो उसे अंधेरा न मिले। इस रात हरेक के लिए उजाले जुटा दिए जाते हैं। अब उजालों के इस अपूर्व एवं अलौकिक पर्व की जगर-मगर में दीपों की माटी कम और लट्टुओं वाली बिजली एवं पटाखों का प्रदूषण अधिक है। वक्त के साथ खुशियों का अहसास तो नहीं बदलता, पर उसकी आमद के जरिए अलग हो जाते हैं। दीपावली पर रोशनी का परचम बुलंद किए हौसलेमंद दिए ज्यों तम के सामने डट जाते हैं, वह एक कालजयी ऐलान है विजय का। इस विजय को पाने एवं मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। एक बार अंधकार ने ब्रह्माजी से शिकायत की कि सूरज मेरा पीछा करता है। वह मुझे मिटा देना चाहता है। ब्रह्माजी ने इस बारे में सूरज को बोला तो सूरज ने कहा- मैं अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर, आप पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करें। मैं उसकी शक्ल-सूरत देखना चाहता हूँ। ब्रह्माजी ने उसे सूरज के सामने आने के लिए कहा तो अंधकार बोला-मैं उसके पास कैसे आ सकता हूँ? अगर आ गया तो मेरा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

जीवन का वास्तविक उजाला लिबास नहीं है, भोजन नहीं है, भाषा नहीं है और उसकी साधन-सुविधाएं भी नहीं हैं। वास्तविक उजाला तो मनुष्य में व्याप्त उसके आत्मिक गुणों क महक ही है, जो मानवीय बनाते हैं, जिन्हें संवेदना और करुणा के रूप में, दया, सेवा-भावना, परोपकार के रूप में हम देखते हैं। असल में वही गुणवत्ता उजालों की बुनियाद है, नींव हैं जिसपर खड़े होकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बनाता है। जिनमें इन गुणों की उपस्थिति होती है उनकी गरिमा चिरंजीवी रहती है। समाज में उजाला फैलाने के लिये इंसान के अंदर इंसानियत होना जरूरी है। जिस तरह दीप से दीप जलता है, वैसे ही प्यार देने से प्यार बढ़ता है और समाज में प्यार और इंसानियत रूपी उजालों की आज बहुत जरूरत है।

दीपों की कतारें दीपावली का शाब्दिक अर्थ ही नहीं, वास्तविक अर्थ है। कतारों के लिए निरंतरता जरूरी है। और निरंतरता के लिए नपा-तुला क्रम। दीप जब कतार में होते हैं, तो आनंद का सूचक बन जाते हैं। जैसे कोई मूक उत्सव हो- जगर-मगर उजाले का। उजालों की पंक्तियां उल्लास का द्योतक हैं। दीप होते ही प्रेरक हैं। एक बाती, अंजुरी-भर तेल और राह-भर प्रकाश। जितना सादा दीपावली का दीपक होता है, उससे सादा कुछ नहीं हो सकता। माटी ने ज्यों पक-जमकर, बाती के बीज से ज्योत पल्लवित की हो। यह विजय पताका कार्तिक अमावस्या के अंधेरे की पूरी रात दूर रखती है। दीपावली की रात को हर दीप रोशनी की लहर बनाता है, उजालों के समन्दर में अपना योगदान देता है।

शेक्सपियर की चर्चित पंक्ति है- 'अगर रोशनी पवित्रता का जीवन रक्त है तो विश्व को रोशनीमय कर दो/ जगमगा दो और इसे जी-भरकर बाहुल्यता से प्राप्त करो।' शेक्सपियर ने यह पंक्ति चाहे जिस संदर्भ में कही हो, पर इसका उद्देश्य निश्चित ही पवित्र था और अनेक अर्थों को लिए हुए यह उक्ति सचमुच में जीवन व्यवहार की स्पष्टता के अधिक नजदीक है। दीपावली का पर्व और उससे जुड़े रोशनी के दर्शन का भी यह उद्घोष है। रोशनी! उत्सव का प्रतीक, खुशी के इजहार करने का प्रतीक है, सफलता का प्रतीत है। अगर हम इस सोच को गहराई में डुबो लें तो ये सूक्तियां हमारे जीवन की रक्त धमनियां बन सकती हैं और उससे उत्तम व्यवहार की रश्मियां प्रस्फुटित हो सकती है। उन रश्मियों की निष्पत्तियां के स्वर होंगे- 'सदा दीपावली संत की आठों पहर आनन्द', 'घट-घट दीप जले', 'दीये की लौ सूरज से मिल जावे'।

जीवन के ह्रास और विकास के संवादी सूत्र हैं- अंधकार और प्रकाश। अंधकार स्वभाव नहीं, विभाव है। वह प्रतीक है हमारी वैयक्तिक दुर्बलताओं का, अपाहिज सपनों और संकल्पों का। निराश, निष्क्रिय, निरुद्देश्य जीवन शैली का। स्वीकृत अर्थशून्य सोच का। जीवन मूल्यों के प्रति टूटती निष्ठा का। विधायक चिन्तन, कर्म और आचरण के अभाव का। अब तक उजालों ने ही मनुष्य को अंधेरों से मुक्ति दी है, इन्हीं उजालों के बल पर उसने ज्ञान को अनुभूत किया अर्थात सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन में उतारा। यही कारण है कि उसकी हस्ति आजतक नहीं मिटी। उसकी दृष्टि में गुण कोरा ज्ञान नहीं है, गुण कोरा आचरण नहीं है। दोनों का समन्वय है। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता वही समाज में आदर के योग बनता है।

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है। इसी से गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा है-'परहित सरिस धरम नहीं भाई'। स्मरण रहे कि वही उजालों को नमन है और वही उजाला हमारी जीवन की सार्थकता है। जो सच है, जो सही है उसे सिर्फ आंख मूंदकर मान नहीं लेना चाहिए। खुली आंखों से देखना एवं परखना भी चाहिए। प्रमाद टूटता है तब व्यक्ति में प्रतिरोधात्मक शक्ति जागती है। वह बुराइयों को विराम देता है।

संपादकीय

जनगणना और आम सहमति

बात के संकेत मिल रहे हैं कि देश में बहु प्रतीक्षित जनगणना का म 2025 में शुरू होने जा रहा है। प्रत्येक एक दशक के बाद होने ली यह जनगणना 2021 में निर्धारित थी, लेकिन कोरोना महामारी के रण यह टल गया था। जनगणना का काम 2026 तक चलेगा और के बाद परिसीमन का काम शुरू होगा जो 1976 के बाद से तनीतिक सहमति न बनने के कारण रुका हुआ है। हालांकि गणना और परिसीमन के बारे में अभी कोई आधिकारिक घोषणा ों की गई है। पर विडंबना देखिए की जनगणना की अटकलों के साथ ा की सियासत भी गर्म होने लगी है। कांग्रेस ने जनगणना से जुड़े लों जैसे परिसीमन और जातिगत जनगणना पर विचार-विमर्श करने लिए केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाई जाने की मांग की है। सामान्य जनगणना के साथ तीन पहलू जुड़े हुए हैं- जातिगत गणना, संसदीय क्षेत्र का परिसीमन जो करीब 5 दशकों से रु का ा है और सांसद एवं विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसद ों का आरक्षण। केंद्र सरकार की ओर से अभी यह फैसला नहीं या गया है कि सामान्य जनगणना के साथ जाति की जनगणना की जाएगी या नहीं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल ने ामाजिक न्याय के नाम पर 2024 के आम चुनाव में जातिवाद की गणना का मुद्दा जोर-जोर से उठाया था। इस मांग के पीछे विपक्षी ों का मकसद दिया है कि जातियों की संख्या के आधार पर सरकारी करियों में आरक्षण और उन तक सरकारी योजनाओं का लाभ ंचाना। यह इसका सकारात्मक पक्ष है, लेकिन दूसरी और अगर जाति आधार पर सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित होगी तो कोई भी जाति अपनी ख्या बाल में कमतरी नहीं होने देगी। हर जातियां चाहेंगी कि उसकी ख्या में बढ़ोतरी हो। इससे न केवल जातियों के बीच टकराहट बढ़ेगी ल्कि ऐसी स्थिति में जनसंख्या नियंत्रण की नीतियां असफल हो एंगी। भाजपा जातिगत जनगणना के विरुद्ध है। इससे उसके हिंदुओं ध्रुवीकृत करने के लक्ष्य पर चोट पहुंचेगी। वह चाहती है कि देश सारी जातियां हिंदुत्व के छाते में आ जाएं। अब देखना है कि तिगत जनगणना के मामले में केंद्र सरकार क्या फैसला करती है। तिगत जनगणना और परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार और विपक्षी ों के बीच आम सहमति की राह में अनेक मुश्किलें दिखाई दे रही ं

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

ी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से जन्म लेने तक जीव कहां रहती है वह एक बड़ा सवाल है। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न ती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद त्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 णों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर ा गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को र से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति ने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी नेकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन न में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने ग ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का जाता है।

दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे ों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर कर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर ते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये ते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक चती है। वहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग वा दूसरी योनियों भेजते हैं। वहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं नी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है ं पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।

भारत के लौह पुरुष थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निमार्ता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जावेगा।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का

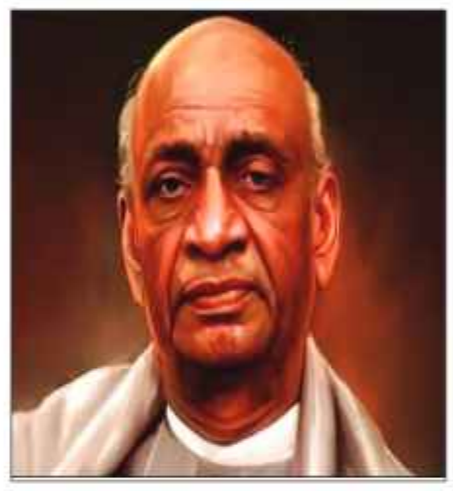

एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की वह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

मुद्दा: बालू रेत के अनुरूप ही हो निमार्ण

पंकज चतुर्वेदी

वैसे तो मानसून के दौरान नदियों से रेत उत्खनन पर रोक के अदालती आदेश की किसी को परवाह थी नहीं लेकिन उसके बाद देश भर में नदियों के रास्ते रोक कर बालू खनन निर्ममता से हो रहा है। लगभग सभी राज्यों में हर छोटी-बड़ी नदी के आसपास रेत बालू के विशाल पहाड़ देखे जा सकते हैं। वैसे हिसाब लगाया जाना जरूरी है कि हर साल कितनी रेत स्वाभाविक रूप से नदी अपने किनारों पर छोड़ जाती है, जिसे उत्खनित करना किसी तरह की पर्यावरणीय हानि पैदा नहीं करेगा और इस रेत से कितने निर्माण किए जा सकते हैं? मोटा अनुमान है कि हमें 1.4 बिलियन टन बालू की सालाना जरूरत है और यह मांग सात फीसद सालाना की दर से बढ़ रही है। नदियों का उथला होना और थोड़ी सी बरसात में उफन जाना, तटों के कटाव के कारण बाढ़ आना, नदियों में जीव-जंतु कम होने के कारण पानी में आक्सीजन की मात्रा कम होने से पानी में बदबू आना; ऐसे कई कारण हैं, जो मनमाने रेत उत्खनन से जल निधियों के अस्तित्व पर संकट की तरह मंडरा रहे हैं। रेत खनन से नदियों का तंत्र प्रभावित होता है तथा उनकी खाद्य-श्रृंखला नष्ट होती है। रेत खनन में इस्तेमाल होने वाले सैंड-पंपों के कारण नदी की जैव-विविधता पर भी असर पड़ता है। लाखों साल की अवधि में चट्टानें स्वाभाविक रीति से अपक्षरित होती रहती हैं, और उनका यही अपक्षरण नदियों में रेत के रूप में इकट्ठा होता है। नदी की पेटी से इस रेत का उत्खनन किया जाता है। नदी का रेत अब दुर्लभ वस्तु बनाता जा रहा है। निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली किसी भी अन्य रेत की तुलना में नदी (ताजे पानी) का रेत निर्माण-कार्य के उद्देश्य से बहुत बेहतर होता है, और पानी के बाद दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला संसाधन है। परिमाण के लिहाज से देखें तो धरती के नीचे से खनन करके निकाली जाने वाली तमाम चीजों में रेत का हिस्सा दो तिहाई से कुछ ज्यादा है और ध्यान देने की बात यह भी है कि रेत एक संसाधन के रूप में असीमित मात्रा में उपलब्ध नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संघ की पिछले साल आई रिपोर्ट चेतावनी दे चुकी है कि जल्दी ही दुनिया को रेत के अभाव का सामना करना पड़ सकता है। लोग हर साल 40 बिलियन टन से अधिक रेत और बजरी का उपयोग करते हैं। मांग इतनी ज्यादा है कि दुनिया भर में नदी-तल और समुद्र तट खाली होते जा रहे हैं। कहने को दुनिया में मरु स्थल और समुद्र रेत से भरे हुए हैं। समझना होगा कि रेगिस्तानी रेत आम तौर पर निर्माण-कार्य के लिए उपयोगी नहीं; पानी की बजाय हवा की चोट से आकार ग्रहण करने के कारण रेगिस्तानी रेत इतना ज्यादा गोल होता है कि इसके दो कण आपस में मजबूती से बंध ही नहीं पाते। प्रकृति ने हमें नदी तो दी थी जल के लिए लेकिन समाज ने उसे रेत उगाहने का जरिया बना लिया और रेत निकालने के लिए नदी का रास्ता रेकने या प्रवाह को बदलने से भी परहेज नहीं किया। देश की जीडीपी को गति देने के लिए सीमेंट और लोहे की खपत बढ़ाना नीतिगत निर्णय है। अधिक से अधिक लोगों को पक्के मकान देना या नये स्कूल-अस्पताल का निर्माण होना भले ही आंकड़ों व पोस्टरों में बहुत लुभाता हो लेकिन इसके लिए रेत उगाहना अपने आप में ऐसी पर्यावरणीय त्रासदी का जनक है जिसकी क्षति-पूर्ति संभव नहीं। नदियों की भीतरी सतह में रेत की मौजूदगी असल में उसके प्रवाह को नियंत्रित करने का अवरोधकद्ध जल को शुद्ध रखने का छन्ना और नदी में कीचड़ रोकने की दीवार भी होती है। तटों तक रेत का विस्तार नदी को सांस लेने का अंग होता है। नदी केवल बहता जल का माध्यम नहीं होती, उसका अपना पारिस्थितिकी तंत्र होता है जिसके तहत उसमें पलने वाले जीव, उसके तट के सूक्ष्म बैक्टीरिया सहित कई तत्व शामिल होते हैं, और उनके बीच सामंजस्य का कार्य रेत का होता है। नदियों की कोख अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खोदने के चलते यह पूरा तंत्र अस्त-व्यस्त हो रहा है। कानून तो कहता है कि न तो नदी को तीन मीटर से ज्यादा गहरा खोदें और न ही उसके जल के प्रवाह को अवरुद्ध करो, लेकिन लालच के लिए कोई भी इनकी परवाह करता नहीं। स्वीकृत गहराइयों से दुगनी-तिगुनी गहराइयों तक पहुंच कर रेत खनन किया जाता है। जिन चिन्हित क्षेत्रों के लिए रेत खनन पट्टा होता है, उनसे बाहर जाकर भी खनन होता है। बीच नदी में पोकलैंड जैसी मशीन लगाना और नदी का रास्ता रोक देना आम बात है। एक तो इस बात का व्यापक सर्वे जरूरी है कि क्या देश के सभी इलाकों में पक्के मकान जरूरी हैं, या स्थानीय जलवायु, परिवेश, सामग्री की उपलब्धता के आधार पर पारंपरिक मकान आधुनिक तकनीक से बनाए आज सकते हैं। जिला स्तर पर भी व्यापक अध्ययन किया जाए कि प्रत्येक छोटी-बड़ी नदी में सालाना रेत आगम की क्षमता कितनी है, और इसमें से कितनी को बगैर किसी नुकसान के उत्खनित किया जा सकता है। फिर उसी के अनुसार निर्माण कार्य की नीति बनाई जाए। उसी के अनुरूप राज्य सरकारें उस जिले में रेत के ठेके दें।

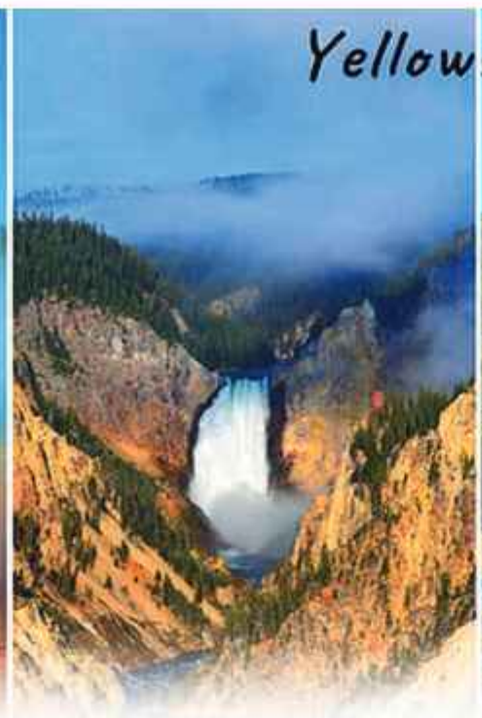

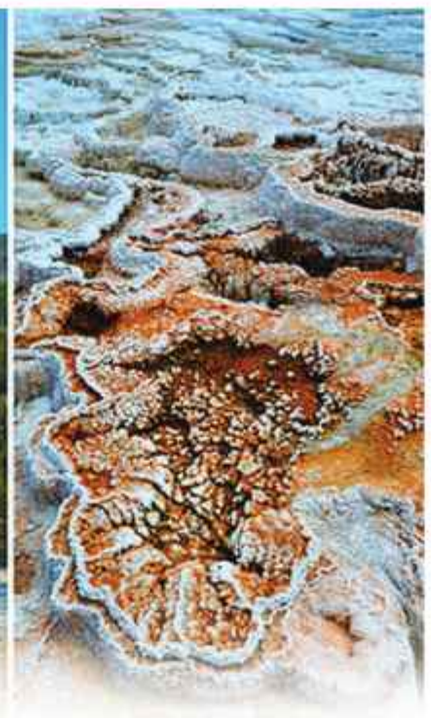

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

येलोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची है, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है. पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बडी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है. दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है. इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियो ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाये लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे. अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा. 1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है. ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाको में है. 5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ. यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया. 500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी. लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिचता गया। खिचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है. इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है. 165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा. वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नही यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कही कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लॉंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है. लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लॉंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं. अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अत: उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके 671 मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है. लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं. जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहाँ से निकलती रहती है. जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहा जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं है. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे है लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए.

येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन

यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है. लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है क्रैनियन २० मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें १००० फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो. इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आष्चर्यचा पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी है, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहा जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं : पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेडों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन मे सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के बावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है. यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से बहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छटा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा. लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था. यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है. इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नही है. पूरी लकड़ी की संरचना होने के बावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं. 1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं. होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवो की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटर हंस, सफेद पैलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

ओल्ड फैथफुल गाइजर

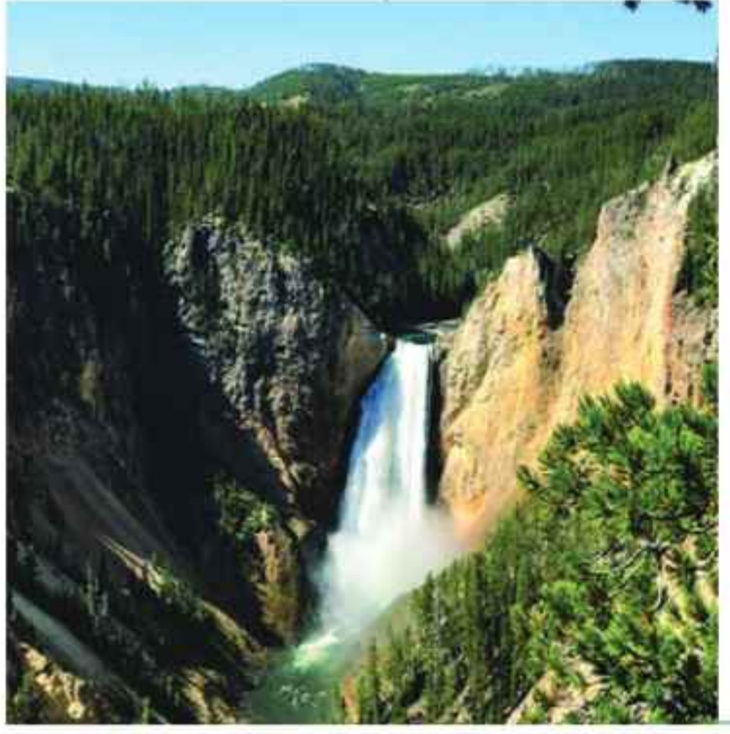

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था. इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही है. दुनिया में कही भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कही कहीं रंगीन चट्टानो से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं. नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है. इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही है।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं. जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नही संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है. पार्क अधिकारियो ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगो के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे. अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है. ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है. जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

पंजाब में नहीं थम रहीं पराली जलाने की घटनाएं, एक दिन में दर्ज हुए 587 मामले

चंडीगढ़। पंजाब में खरीफ के चालू सत्र में पराली जलाने की घटनाएं दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को राज्य में पराली जलाने के 587 मामले दर्ज किए गए, जो एक दिन में अब तक का सबसे ज्यादा आंकड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक 15 सितंबर से 1 नवंबर तक राज्य में कुल 3,537 पराली जलाने की घटनाएं हुईं। शुक्रवार को सबसे ज्यादा मामले संगरूर जिले में 79, फिरोजपुर में 70, तरन-तारन में 59, अमृतसर में 40, बठिंडा में 34, कपूरथला में 43, मानसा में 47 और पटियाला में 40 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, फाजिल्का, रूपनगर और पठानकोट जिलों में एक-एक मामला सामने आए हैं। पिछले कुछ दिनों में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इससे पहले, सबसे ज्यादा मामले गुरुवार को 484 दर्ज किए गए थे, जिसमें संगरूर में 89, फिरोजपुर में 65 और मानसा में 40 मामले शामिल थे। इस वृद्धि के पीछे के कारणों में किसान संगठनों द्वारा फसल के अवशेषों को जलाने के संबंध में लापरवाही और जरुरी संसाधनों की कमी शामिल हो सकती है। यह पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि इससे वायु गुणवत्ता में भी गिरावट आ रही है, जो जन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। राज्य सरकार और पर्यावरणीय संगठनों ने इस समस्या के समाधान के लिए विभिन्न उपायों की योजना बनाई है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

शादी के लिए बना फर्जी आईपीएस

जयपुर। दुनिया में झूठ बोलकर शादी से लेकर बड़े-बड़े फर्जीवाड़े करने वालों की कमी नहीं है। हाल में एक ऐसे ही हैरान करने वाले मामले का खुलासा हुआ है। उत्तराखंड के मसूरी में किराने की दुकान पर काम करने वाले एक युवक ने शादी रचाने के लिए ऐसी करतूत की जिसे जानकर आप माथा पकड़ लेंगे। दरअसल, उसने एक लड़की को इम्प्रेस करने के लिए पहले खुद को राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल और फिर अलवर में इनकम टैक्स विभाग में अधिकारी बताया लेकिन फिर भी बात नहीं बनी तो कुछ समय बाद उसने दावा किया कि उसका चयन आईपीएस अधिकारी के तौर पर हो गया। वह फी समय में मसूरी आईपीएस ट्रेनिंग सेंटर के बाहर जाकर तस्वीरें खींचता और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देता। इन्हीं तस्वीरों से लड़की का परिवार यह मान बैठा कि सुनील एक आईपीएस अधिकारी है और इस आधार पर लड़की के परिवार ने सगाई के लिए हामी भर दी और दोनों की सगाई हो भी गई। लेकिन कुछ समय बाद उसकी असलियत सामने आई तो पैरों तले जमीन खिसक गई।

गोदाम में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

मुंबई। मुंबई के अंधेरी में एक झुग्गी बस्ती में भीषण आग लग गई। हालांकि आग से कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते बृहन्मुंबई नगर निगम की दमकलों ने आग पर काबू पा लिया। बीएमसी के एक अधिकारी के अनुसार, आग लगने की सूचना रात करीब आठ बजे मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग संभवत: झुग्गी बस्ती के भीतर स्थित एक गोदाम में लगी थी। दमकल विभाग ने शुक्रवार शाम को आग बुझाने का कार्य तेजी से शुरू किया, और राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन दमकल विभाग की टीम स्थिति पर निगरानी रखे हुए है और आग बुझाने का प्रयास जारी है। आग ने आसपास के क्षेत्र में धुआं फैला दिया, जिससे कुछ समय के लिए दृश्यता प्रभावित हुई।

सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक पाकिस्तानी आंतकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है। मारे गए आतंकी की पहचान पाकिस्तान निवासी उस्मान के रूप में हुई है, जो पिछले एक दशक से भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में शामिल था। फिलहाल, इलाके में दो अन्य आतंकियों के छिपे होने की आशंका है, जिसके चलते सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन चलाया हुआ है। मुठभेड़ के दौरान जिस मकान में आतंकी छिपे थे, वहां बड़ा धमाका हुआ और मकान में आग लग गई। ऑपरेशन में 2 सीआरपीएफ और 2 पुलिस के जवान भी घायल हुए हैं, इनका इलाज अस्पताल में जारी है। ऑपरेशन के दौरान आतंकियों को बाहर निकालने सुरक्षाबलों ने मकान के अंदर आग लगाने की रणनीति अपनाई ताकि धुआं और आग देखकर आतंकी बाहर आ जाए। सुरक्षाबल किसी भी तरह की चूक किए बिना इन आतंकियों को पकड़ने की कोशिश में हैं और उनकी फायरिंग खत्म होने का इंतजार भी कर रहे हैं।

सावंत ने इम्पोर्टेड माल टिप्पणी पर माफी मांगी, किसी महिला का अपमान करने का इरादा नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच शिवसेना (यूबीटी गुट) नेता अरविंद सावंत ने शिवसेना उम्मीदवार शाइना एनसी के खिलाफ की गई इम्पोर्टेड माल टिप्पणी पर माफी मांग ली है। यूबीटी नेता सावंत ने कहा कि उनकी मंशा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। शाइना ने टिप्पणी पर कड़ा एतराज जताकर उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए सावंत ने कहा, मेरा किसी महिला का अपमान करने का इरादा नहीं था। मेरे बयान को जानबूझकर गलत अर्थ निकाला गया है। मुझे इसका दुख है, और अगर मेरे बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तब मैं माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान किसी पार्टी से ऊपर है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सावंत ने शाइना के बारे में कहा कि वह इम्पोर्टेड माल हैं, जो शिवसेना के मूल विचारों से मेल नहीं खातीं। सावंत के बयान के बाद विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच राजनीतिक हलकों में बवाल मच गया और बीजेपी सहित शिवसेना के शिंदे गुट के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की।

आतंकवादियों को मारना नहीं चाहिए... फारूक अब्दुल्ला के बयान पर बवाल, बीजेपी ने उठाए सवाल, शरद पवार ने किया बचाव

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल के आतंकवादी हमलों की जांच होनी चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि क्या सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को पकड़ा जाना चाहिए, मारा नहीं जाना चाहिए और हमलों के पीछे कौन है, इसकी तह तक जाने के लिए उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। अब्दुल्ला की टिप्पणी इस सवाल के जवाब में थी कि क्या हाल ही में बडगाम आतंकी हमले सहित जम्मू-कश्मीर में हर आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया जाना चाहिए।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इस बारे में कोई सवाल ही नहीं है। मैं कहूंगा कि इसकी जांच होनी चाहिए। उन्हें (आतंकवादियों को) मारा नहीं जाना चाहिए, उन्हें पकड़ा जाना चाहिए और पूछा जाना चाहिए कि उनके पीछे कौन है। हमें जांच करनी चाहिए कि क्या कोई एजेंसी है जो उमर अब्दुल्ला को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हाल ही में संपन्न जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में निर्णायक जीत हासिल की थी। पार्टी ने 90 में से 42 सीटें जीतीं, सहयोगी कांग्रेस की झोली में छह सीटें आईं और उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

फारूक अब्दुल्ला ने सवाल किया कि क्या आतंकवादी हमलों में वृद्धि 'जम्मू-कश्मीर सरकार को अस्थिर करने' के लिए है। फारूक अब्दुल्ला के इस बयान पर भाजपा हमलावर हो गई है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर कुछ लोग देश को प्राथमिकता देने की बजाय राजनीति, परिवार और वोट बैंक को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए या आतंकवाद के प्रायोजकों को बचाने के लिए भारतीय सेना, भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाना फारूक अब्दुल्ला को शोभा नहीं देता।

जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों को हमारा पूरा समर्थन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जानते हैं कि यह आतंकवाद पाकिस्तान से आ रहा है। यह एक सर्वविदित तथ्य है। इसमें जांच की क्या बात है? उन्हें मालूम है कि जम्मू-कश्मीर में जो आतंकी हमले हो रहे हैं, उसमें पाकिस्तान और आतंकी संगठनों का हाथ है। हम सभी को अपनी सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों का समर्थन करना चाहिए। हमें उन लोगों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा जो मानवता के दुश्मन हैं।'

इस बीच कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी एनसीपी ने फारूक अब्दुल्ला के बयान का बचाव किया। शरद पवार ने फारूक अब्दुल्ला को 'जम्मू-कश्मीर का सबसे बड़ा व्यक्तित्व' बताया और कहा, 'उन्होंने अपना जीवन जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा में बिताया। मुझे उनकी सत्यनिष्ठा और ईमानदारी पर कोई संदेह नहीं है। अगर ऐसा नेता कोई बयान दे रहा है, तो केंद्र सरकार, विशेषकर गृह मंत्रालय को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और यह पता लगाने का प्रयास करना चाहिए कि उस स्थिति को कैसे हल किया जा सकता है।' जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने भी दावा किया कि 'खुफिया ग्रिड में कमी' थी जिसे संबोधित करने की जरूरत है।

ड़ोसियों से बेहतर संबंध रखना चाहता है भारत : राजनाथ सिंह

कानपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव के बाद हाल ही में हुई कई आतंकी घटनाओं के सवाल पर कहा कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। सेना भी लगातार जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि इसे बढ़ी नहीं कह सकते, पहले की तुलना में आतंकी घटनाएं कम हुई हैं। आगे यह भी पूरी तरह से समाप्त होंगी और जम्मू कश्मीर का विकास होगा। वहीं, भारत चीन सीमा पर दीपावली पर मिठाई बांटने और पेट्रोलिंग शुरू होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत अपने सभी पड़ोसी देशों से मैत्री संबंध बनाकर रखना चाहता है। चीन से डेढ़ वर्ष से बातचीत चल रही है। इस कड़ी में अब डेमचोक पर पेट्रोलिंग शुरू हुई है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार सुबह चकेरी श्यामनगर स्थित अपने आध्यात्मिक गुरु संतोष द्विवेदी के श्यामनगर स्थित आवास पर पहुंचे। यहां पर वह पूजापाठ में शामिल हुए। इसके बाद अपने गुरूजी हालचाल जानकर आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर मीडिया से रूबरू हुए।

ओवैसी ने की वक्फ व तिरुमाला बोर्ड के नियमों में समानता की मांग

-वक्फ में गैर-मुस्लिमों को लेकर उठाया सवाल

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बोर्ड और तिरुमाला बोर्ड में समानता की मांग की है। ओवैसी ने वक्फ में गैर-मुस्लिमों को लेकर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने कहा कि एक तरफ तो टीटीडी बोर्ड में एक भी गैर हिंदू नहीं रखने की बात चल रही है। दूसरी तरफ मोदी सरकार बिल में वक्फ बोर्ड परिषद में दो गैर हिंदुओं को रखने का प्रावधान ला रही है। टीटीडी हिंदू धर्म का बोर्ड है और वक्फ मुसलमान धर्म का बोर्ड है। दोनों के नियमों में समानता क्यों नहीं हो सकती है। एआईएमआईएम सांसद ने आगे कहा कि अगर टीटीडी के ट्रस्टीज मुसलमान नहीं हो सकते तो फिर वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम क्यों होने चाहिए? ओवैसी ने तिरुमाला बोर्ड से जुड़े विभिन्न नियमों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट के सदस्यों में कोई भी गैर हिंदू नहीं हैं। यह तो बात सिर्फ ट्रस्ट के सदस्यों की है। अब बोर्ड के अध्यक्ष कह रहे हैं कि वहां जो कोई भी काम करेगा वह हिंदू होना चाहिए। चेयरमैन हिंदू धर्म के लिहाज से यह बात कर रहे हैं। हमें इस बात पर कोई ऐतराज भी नहीं है। एआईएमआईएम सांसद ने आगे कहा कि हमें ऐतराज वक्फ बोर्ड को लेकर प्रस्तावित बिल पर है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कह रही है कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल में दो गैर मुस्लिम होने चाहिए। आखिर वक्फ बिल में इस तरह के प्रावधान क्यों ला रहे हैं? ओवैसी ने इसी तरह स्टेट वक्फ बोर्ड में सभी मुस्लिम सदस्य रखने की मांग है। वक्फ बोर्ड में नान मुस्लिमों को क्यों रखा जा रहा है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए।

बसपा की वजह से भाजपा और सपा की नींद उड़ी, ध्यान बांटने के लिए नारे गढ़ रहे : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनावों में उनकी पार्टी के मैदान में होने से दोनों दलों की नींद उड़ गयी है इसलिए दोनों पार्टियों के नेता ध्यान बांटने के लिए नारे गढ़ रहे हैं। मायावती ने प्रदेश में भाजपा और सपा के बीच गठबंधन का आरोप लगाया। बसपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाल में दिये भाषणों में 'बंटेंगे तो कटेंगे' और सपा के 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे' जैसे नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए शनिवार को कहा कि हर मामले में इनकी (भाजपा व सपा) दोगली सोच व नीतियों को ध्यान में रखकर वास्तव में होना यह चाहिए कि 'बसपा से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित भी रहेंगे।'

मायावती ने पत्रकारों से कहा, 'जबसे उप्र में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव घोषित हुए हैं तबसे भाजपा और सपा की नींद उड़ी हुई है क्योंकि इस बार सभी सीट पर बसपा भी अकेले यह चुनाव लड़ रही है।' मायावती ने कहा, 'काफी समय से एक-दो उपचुनाव को छोड़कर बसपा अधिकांश उप चुनाव नहीं लड़ी है तबसे खासकर भाजपा और सपा तथा इनका गठबंधन इन उपचुनावों में आपस में मिल बांटकर चुनाव लड़ते रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन इस बार जब बसपा भी मैदान में डंटी है तो इन दोनों के गठबंधन की परेशानी बढ़ गयी है।'

बसपा प्रमुख ने दावा किया, 'जनता का ध्यान बांटने के लिए अब भाजपा 'बंटेंगे तो कटेंगे' और सपा के लोग 'जुड़ेंगे

तो जीतेंगे' जैसे नारों को प्रचारित करने में लग गये हैं। इनके हर मामले में दोगली सोच व नीतियों को ध्यान में रखकर वास्तव में होना यह चाहिए कि बसपा से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित भी रहेंगे।' उन्होंने बसपा के शासन में बेहतर कानून व्यवस्था व विकास का दावा करते हुए कहा, 'हालांकि प्रदेश में विकास व कानून व्यवस्था के मामले में भाजपा और पूर्व की सपा सरकार की तुलना में केवल बसपा का ही शासनकाल काफी बेहतरीन रहा है।' मायावती ने जनता को आगाह करते हुए कहा, 'ऐसे में हवा हवाई नारों व पोस्टरबाजी के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। अब भाजपा के लोग अपनी कमियों की वजह से 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारा लगाकर वोट मांग रहे वहीं सपा के लोग यह नारा लगाकर यह वोट मांग रहे कि 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे' जबकि इनकी (नारों) आड़ में दोनों पार्टियां यहां के लोगों को गुमराह कर रही हैं।'

उन्होंने मतदाताओं को सावधान करते हुए कहा कि ये लोग कमियों से ध्यान बांटने के लिए नारेबाजी और पोस्टरबाजी कर रहे हैं। उप्र की कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) में 13 नवंबर को मतदान और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। भाजपा नौ में आठ और उसकी सहयोगी रालोद (राष्ट्रीय लोकदल) मीरापुर सीट पर चुनाव मैदान में है जबकि कांग्रेस के समर्थन से समाजवादी पार्टी ने सभी नौ सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं बसपा भी सभी नौ सीटों पर सीधे मुकाबले में है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: 100 साल से भी ऊपर हैं 47,392 मतदाता

-बुजुर्ग और युवाओं में नजर आ रहा एक विशेष उत्साह

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर आंकड़े सामने आए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा डेटा के मुताबिक महाराष्ट्र में कुल 9.7 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के 47,392 मतदाता हैं। यह आंकड़ा न केवल चौकाने वाला है, बल्कि राज्य में लंबे समय से चली आ रही लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी को भी दर्शाता है। सबसे बुजुर्ग मतदाता की आयु 109 साल है, जो चुनाव में मतदान करने का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 18-19 उम्र के युवा मतदाताओं की संख्या 22,22,704 है। कुल पंजीकृत मतदाताओं में 5,00,22,739 पुरुष, 4,69,96,279 महिलाएं और 6,101 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक 288 विधानसभा सीटों के लिए 7994 उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं, जबकि 921 नामांकन पत्र अवैध करार दिए गए हैं। नामांकन की प्रक्रिया 22 से 29 अक्टूबर तक चली थी और नामांकन वापसी की अंतिम तारीख 4 नवंबर है। चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के बीच है। महायुति में बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी (अजीत गुट) शामिल हैं, जबकि एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं। इन प्रमुख गठबंधनों के अलावा, छोटी पार्टियां और निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में किस्मत आजमा रहे हैं, जो चुनावी समीकरण को और दिलचस्प बना रहे हैं। महाराष्ट्र के मतदाता इस बार उत्साह के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे, खासकर बुजुर्ग और युवा मतदाताओं की संख्या के चलते चुनाव में एक विशेष उत्साह नजर आ रहा है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का खरगे पर निशाना: झूठ का इस्तेमाल कर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठे और फर्जी आंकड़ों का इस्तेमाल कर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट में खरगे के दावों के जवाब में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मोदी सरकार की समावेशी विकास नीतियां देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बना देंगी। इससे पहले खरगे ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था, 'झूठ, छल, जालसाजी, लूट और प्रचार ये पांच विशेषण हैं, जो आपकी सरकार का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं!'

उन्होंने मोदी से 'प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियों के वादे, मुद्रास्फीति, विमुद्रीकरण और दोषपूर्ण-जीएसटी, चुनावी बॉन्ड, सेबी प्रमुख के खिलाफ आरोप, एससी/एसटी के खिलाफ अपराध और वैश्विक भूख सूचकांक पर भारत की खराब रैंकिंग' को लेकर सवाल पूछे थे। इसके जवाब में पुरी ने कहा, 'ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी और खरगे उन परिवर्तनों से अनभिज्ञ हैं, जिन्होंने भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाया है।' पुरी ने कहा कि मोदी सरकार ने 24 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला है।

इसमें 11 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण, 12 करोड़ नल जल कनेक्शन, 10 करोड़ से ज्यादा मुफ्त रसोई गैस

कनेक्शन, स्वास्थ्य सेवा, 51 करोड़ बैंक खाते, पूंजीगत व्यय में तीन गुना वृद्धि और जीएसटी, स्टार्टअप इंडिया, आईबीसी और पीएलआई योजना जैसे नीतिगत सुधारों से मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'हमने यह सुनिश्चित किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तब भी न बढ़ें, जब अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क में कीमतों में 40 से 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग-2 सरकार के समय 1.41 लाख करोड़ रुपये के तेल बॉन्ड जारी करने की उनकी मूर्खता के कारण देश को बदले में 3.2 लाख करोड़ रुपये वापस करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत यह दिखा रहा है कि वह 2047 तक अपने विकास लक्ष्यों को हासिल कर लेगा।

देश में मौसम के दो रंग : दिल्ली-एनसीआर में गुलाबी ठंड का अहसास

-तमिलनाडु के 19 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों देश में मौसम में दो रंग दिख रहे हैं। दिवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर में जहां हल्की ठंडक के साथ दिन में धूप तेज रहती है। वहीं तमिलनाडु के 19 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस हफ्ते उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में ठंड बढ़ने की संभावना है और मैदानी इलाकों में तेज धूप रहेगी। दिवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर के मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आने लगा है। सुबह और शाम में हल्की ठंडक महसूस हो रही है। रविवार और सोमवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 स 18 डिग्री तक रह सकता है। इस दौरान आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध रह सकती है। इसके बाद तापमान में गिरावट का सिलसिला धीरे-धीरे और बढ़ेगा। 5 से 7 नवंबर के बीच अधिकतम तापमान कम होकर 32 से 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री पर सिमट सकता है। सुबह के समय धुंध रह सकती है। आसमान साफ रहेगा। 7 नवंबर तक बारिश की संभावना नहीं है। दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पंजाब में भी सुबह और शाम हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। हालांकि अन्य सालों की तुलना में इस बार नवंबर महीने में ज्यादा ठंड पड़ने के आसार नहीं है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में इस हफ्ते से ठंड का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग ने तमिलनाडु के 19 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। अगले दो दिनों में भारी बारिश की आशंका जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती प्रणाली और समुद्र के ऊपर ऊपरी हवा के परिसंचरण के कारण इन जिलों में भारी बारिश होने की उम्मीद है। प्रभावित जिलों में कोयंबटूर, तिरुपुर, नीलगिरी, मदुरै, इरोड, विरुधुनगर, थेनी, डिंडीगुल, तेनकासी, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, कृष्णागिरी, रामनाथपुरम, धर्मपुरी, सलेम, नमक्कल, करूर, थूथुकुडी और शिवगंगा शामिल हैं। पूर्वानुमान के अनुसार, तटीय तमिलनाडु में सामान्य से कम बारिश हो सकती है, लेकिन 7 नवंबर तक राज्य के अन्य भागों में औसत से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। 8 से 14 नवंबर तक तमिलनाडु के कई क्षेत्रों में सामान्य से लेकर सामान्य से थोड़ी ज्यादा बारिश की आशंका है।

पहाड़ी इलाकों में बढ़ेगी ठंड

उत्तराखंड में नवंबर का आगाज सूखे मौसम के साथ हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों में ठंडी हवाओं के कारण ठंड बढ़ेगी, जबकि मैदानी इलाकों में तेज धूप देखने को मिलेगी। पूरे राज्य में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। मौसम विभाग का कहना है कि नवंबर महीने का पहला सप्ताह शुष्क मौसम से जूझने वाला है। यह सूखा मौसम 5 नवंबर तक बना रहेगा। उत्तराखंड के सभी जिलों में इस दौरान मौसम साफ रहेगा।

भारत-न्यूजीनैंड तीसरा टेस्ट: दूसरे दिन 15 विकेट गिरे, न्यूजीलैंड की 143 रन की लीड

-न्यूजीलैंड 235 और 171/9 - भारत 263

मुंबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वानखेड़े स्टेडियम में चल रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच का दूसरा दिन बेहद रोमांचक रहा। इस दिन कुल 15 विकेट गिरे, जिसमें भारत ने 6 और न्यूजीलैंड ने 9 बल्लेबाजों के विकेट गंवाए। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 171 रन पर 9 विकेट खो दिए है और उनके पास 143 रनों की लीड है।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुए अपनी पहली पारी में 235 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें अच्छी शुरुआत नहीं करने दी। विशेष रूप से रविंद्र जडेजा ने 4 विकेट लिए, जिससे कीवी बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ गईं। टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे ने जल्दी-जल्दी विकेट खो दिए, जबकि डेरिल मिचेल ने 21 रन बनाकर कुछ समय तक क्रीज पर टिकने की कोशिश की।

भारत की पहली पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा केवल 15 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने मिलकर कुछ अच्छे शॉट लगाए। गिल ने 90 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि पंत ने 60 रन बनाकर टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिससे भारत ने 263 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 28 रनों की बढ़त दी।

दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने खेल की शुरुआत करते हुए पहले ओवर में ही टॉम लैथम का विकेट खो दिया। जडेजा ने फिर से शानदार गेंदबाजी करते हुए ईश सोढ़ी और विल यंग के विकेट लिए। यंग ने 51 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया, लेकिन जडेजा की गेंदबाजी के सामने वह भी नहीं टिक सके। न्यूजीलैंड की पारी में ग्लेन फिलिप्स ने आक्रमकता दिखाई, लेकिन वे केवल 2 रन बनाकर आउट हो गए।

दूसरे दिन के खेल के अंत में न्यूजीलैंड ने 171 रन बना लिए थे और उनके पास 143 रनों की लीड है। जडेजा ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से मैच का रुख बदलने की कोशिश की। भारतीय गेंदबाजों के सामने अब चुनौती है कि वे न्यूजीलैंड को कम से कम स्कोर पर रोकें ताकि अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दे सकें। टेस्ट मैच का तीसरे दिन में भारतीय टीम को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में कुछ भी संभव है, और दर्शकों को इस मुकाबले में रोमांचक पल देखने को मिल सकते है।

भारतीय गेंदबाजों की नो बॉल पर सुनील गावस्कर का गुस्सा

-भारत बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज

मुंबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में चल रहा है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत ने टॉस गंवाकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने अपनी शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड की टीम को 235 रनों पर समेट दिया। लेकिन इस पारी के दौरान भारतीय टीम ने कई नो बॉल फेंकी, जिससे पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का गुस्सा फूट पड़ा। पहली पारी में, भारतीय गेंदबाजों ने कुल 9 नो बॉल डाले, जिनमें वाशिंगटन सुंदर ने 5, रविंद्र जडेजा ने 3 और अकाश दीप ने 1 नो बॉल फेंकी। इस पर कमेंटेटर और पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री ने मजे लेते हुए कहा, सुनील गावस्कर लंच कर रहे थे। उन्होंने प्लेट को दीवार पर दे मारा। शुक्र है कि वह स्लिप में फील्डिंग नहीं कर रहे। वरना वाशिंगटन, वाशिंगटन डीसी के पास होते। इस मजाक के बीच, न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी इयान स्मिथ ने भी भारतीय गेंदबाजों की नो बॉल पर टिप्पणी की। उन्होंने मजाक में कहा, ओह डियर, एक और नो बॉल। सनी जी कहां हैं? वह उनके पीछे हाथ में माइक लेकर भागेंगे।

इस पर सुनील गावस्कर ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा, हां, चिंता मत करो। मैंने रनिंग शूज पहने है। हालांकि, यह एक ऐसी चीज है जिसको गंभीरता से देखना होगा।इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम की गेंदबाजी में सुधार की आवश्यकता है, खासकर नो बॉल की समस्या को लेकर। इस मुद्दे पर सुनील गावस्कर का गुस्सा दर्शाता है कि यह एक गंभीर विषय है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे के मैचों में भारतीय गेंदबाजों को अपने अनुशासन को सुधारने की जरूरत है, ताकि वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी गेंदबाजी में लचीलापन दिखाया। रविंद्र जडेजा ने शानदार गेंदबाजी की और वाशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट झटके। इसके अलावा, अकाश दीप ने भी 1 विकेट हासिल किया, जिससे न्यूजीलैंड की टीम को अच्छी स्थिति में लाना संभव हुआ।

शुभमन गिल ने किया कमाल, शतक से चूके फिर भी बना दिया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभमन गिल ने मुंबई टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 90 रन की पारी खेली लेकिन शतक से चूक गए। उन्होंने बावजूद इसके एक खास मुकाम अपने नाम किया है। दरअसल, गिल ने साल 2024 में 800 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। भारती और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है।

बता दें कि, गिल भारत की पहली पारी के दौरान नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने इस दौरान 146 गेंदों का सामना करते हुए 90 रन बनाए। गिल ने 7 चौके और 1 छक्का लगाया। उन्होंने इस पारी की बदौलत इस कैलेंडर ईयर में 800 टेस्ट रन पूरे कर लिए। शुभमन ऐसा करने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के छठे बल्लेबाज हैं। इस मामले में यशस्वी जायसवाल ने भी 2024 में 800 से ज्यादा टेस्ट रन बनाए हैं।

फिलहाल, टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को पहली पारी में 235 रनों के स्कोर पर ऑल आउट कर दिया था। वहीं दूसरी पारी में टीम संघर्ष कर रही है। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में 263 रन बनाए। भारत के लिए गिल और पंत ने फिफ्टी जड़ी। पंत ने 60 रनों की पारी खेली।

रिटेन होने पर खुशी के साथ भावुक नजर आए बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 18 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। बुमराह ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक वीडियो में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह एमआई के साथ अपने सफर को अगले तीन सालों तक जारी रखकर बेहद खुश है। बुमराह ने कहा, मैं 19 साल की उम्र में यहां आया था और अब 31 का होने जा रहा हूं। यह मेरे लिए एक संपूर्ण यात्रा रही है और मुझे खुशी है कि यह आगे भी जारी रहेगी। बुमराह ने अपनी भूमिका में बदलाव के बारे में बताया कि पहले वह खेल के दिग्गजों से सवाल पूछते थे, और अब वे खुद नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब टीम में युवा खिलाड़ी हैं जो मुझसे कई साल छोटे हैं। मुझे उनकी मदद करने में खुशी मिलती है क्योंकि जब मैंने शुरुआत की थी, तब मुझे भी बहुत सहायता मिली थी।

गौरतलब है कि आईपीएल 2024 का सीजन एमआई के लिए निराशाजनक रहा, जिसमें टीम हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में सबसे निचले स्थान पर रही। इस बदलाव के चलते कुछ प्रशंसकों ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान बनाए जाने पर असंतोष भी जताया। फैंस के इस रिएक्शन पर बुमराह ने कहा कि मुंबई इंडियंस को पता है कि कैसे चैंपियनशिप जीती जाती है,

और अब टीम अपना ध्यान सुधार पर केंद्रित रख रही है। बुमराह ने कहा, हमें अपनी गलतियों से सीखकर उन्हें सुधारना चाहिए और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। हमारा हमेशा से यही तरीका रहा है, और उम्मीद है कि इस पर काम करते हुए हम अच्छे परिणाम हासिल करेंगे।

वानखेड़े स्टेडियम में खेलने के अपने अनुभव के बारे में बताते हुए बुमराह ने कहा कि वहां की ऊर्जा और जीवंतता का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, अगर किसी ने वानखेड़े में पहले कभी खेल का अनुभव नहीं लिया है, तो वह इसे जरूर देखे। यहां की भीड़ और माहौल अद्वितीय है। अपनी भूमिका को जिम्मेदारी मानते हुए बुमराह ने कहा कि वह सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि कुछ खास योगदान देने वाले खिलाड़ी बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने ओवरों को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं। हारने पर हमें शून्य से शुरुआत करनी होती है और यही इस खेल की खूबसूरती है।

बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए 2013 से अब तक 133 मैचों में 165 विकेट लिए है, जिससे वह लसिथ मलिंगा के बाद टीम के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। हाल ही में भारत की टी20 विश्व कप 2024 की जीत में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था, जिससे उनकी काबिलियत और आत्मविश्वास में और इजाफा हुआ।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम अब नहीं खेलेगी अभ्यास मैच

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले होने वाला अभ्यास मुकाबला स्थगित हो गया है। भारतीय टीम को 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 मैचों की सीरीज खेलनी है। इससे पहले भारतीय टीम को ए टीम के साथ एक इंट्रा स्क्वॉड मैच खेलना था पर तीन दिवसीय इस इंट्रा स्क्वॉड मैच को अब रद्द कर दिया गया है। भारतीय टीम प्रबंधन इंट्रास्क्वॉड मैच खेलने की जगह पर नेट प्रैक्टिस पर ध्यान देना चाहती है। भारत की ए टीम भी इस इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रहेगी और उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई ए टीम से होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। वहीं भारतीय टीम ए टीम 15 से 17 नवंबर के बीच पर्थ में रूतुराज गायकवाड की कप्तानी में भारतय टीम से अभ्यास मैच खेलने वाली थी पर अब ये मैच नही होगा। इसका कारण है कि मुख्य कोच गौतम गभीर और वरिष्ठ खिलाड़ी नेट पर अधिक समय बिताना चाहते है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला समापत होने के बाद ऑस्ट्रेलिया जायेगी। ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य लेकर जाने वाली भारतीय टीम पर अतिरिक्त दबाव होगा क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में हार से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल में उसकी जगह भी दांव पर लगी है। माना जाता है कि वाका की पिच पर्थ स्टेडियम की पिच की तरह ही है। ऐसे में शीर्षक्रम के बल्लेबाज पिच पर अधिक समय बिताना चाहते हैं। इसी को लेकर टीम के भीतर आपस में मैच को सही नहीं माना जा रहा क्योंकि अगर कोई बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाता है तो उसी जल्दी दोबारा पिच पर उतरने का समय नही मिलेगा।

चहल की एक बार फिर उपेक्षा हुई

नई दिल्ली । स्पिनर युजवेंद्र चहल को प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद भी वह स्थान नहीं मिला है जिसके वह अधिकारी हैं। चहल पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वहीं आईपीएल के लिए जिस टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में वह सात साल रहे उसने भी उसे रिटेन नहीं किया। आईपीएल 2022 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने युजवेंद्र चहल को खरीदा। टीम के लिए अपने पहली ही सत्र में 17 मैचों में चहल ने 27 विकेट लिए। उन्होंने पर्पल कैप भी जीती। 2023 सत्र में 14 मैच में 21 और 2024 सीजन में 15 मैच में 18 विकेट लिए। इस प्रकार 3 सत्र के 46 मैच में 66 विकेट। यही नहीं चहल आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 205 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज विराट कोहली को आरसीबी ने 21 करोड़ में रिटेन किया है जबकि सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला चहल को रिलीज कर दिया गया। राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर और संदीप शर्मा को रिटेन किया है। संदीप अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़े हैं पर चहल को फ्रेंचाइजी ने बाहर कर दिया। राजस्थान के पास आरटीएम भी नहीं बचा है। चहल टीम इंडिया से भी बाहर चल रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं पर इसके बाद भी अभी तक उन्हें टी20 विश्वकप तक खेलने को नहीं मिला। 2021 के टूर्नामेंट में वह टीम में नहीं थे। 2022 और 2024 में वह सभी मैच में बेंच पर रहे। उन्हें 2023 विश्व कप में भी अवसर नहीं मिला।

हेड कोच रिकी पोंटिंग ने बताया क्यो किया 2 ही प्लेयर का रिटेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी के लिए पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम की नई योजनाओं और खिलाड़ियों को बनाए रखने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। पोंटिंग ने इस साल टीम में बड़ा बदलाव करते हुए केवल दो अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह को रिटेन किया है, जबकि दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन और भारतीय गेंदबाज अर्शदीप सिंह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को छोड़ने का साहसिक फैसला लिया है।

पोंटिंग ने टीम के भविष्य को लेकर अपने दृष्टिकोण को साझा किया और कहा कि वह पंजाब किंग्स के साथ नई शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, -इस बदलाव की शुरुआत आज की रिटेंशन सूची से होती है। हमारी रणनीति स्पष्ट है, और हम नीलामी में आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े पर्स के साथ प्रवेश कर रहे हैं। यह हमें अपनी टीम को

नए रूप में ढालने और पंजाब किंग्स को पूरी तरह से एक नई पहचान देने का मौका प्रदान करता है।- पंजाब किंग्स लंबे समय से आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही है। पोंटिंग का मानना है कि टीम को इस बार नया जोश और आक्रामकता देने की जरूरत है, जिससे वे एक अधिक गतिशील और मनोरंजक टीम बन सकें। उन्होंने इस बदलाव के तहत नए कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर टीम को एक नया और मजबूत स्वरूप देने का वादा किया।

रिटेंशन की सूची में कुछ हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति पर भी पोंटिंग ने आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'केएल राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का नीलामी में उपलब्ध होना चौंकाने वाला है। ऐसा लगता है कि कुछ फ्रेंचाइजी अपने दस्तों में बड़े बदलाव करने का इरादा रखती हैं।' पोंटिंग ने नीलामी में एक संतुलित टीम तैयार करने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने लक्ष्यों को पहचानकर, खिलाड़ियों का चयन करना और नीलामी में सही रणनीति अपनाना जरूरी है।

पोंटिंग की इस नई रणनीति से पंजाब किंग्स के प्रशंसकों को भी टीम के नए स्वरूप में बड़ी उम्मीदें है। पंजाब के प्रशंसक अब इस मेगा नीलामी के बाद टीम के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं और देखना चाहेंगे कि आईपीएल 2025 में उनका यह नया रूप कैसा परिणाम देता है।

आईपीएल में नये कोचों के साथ उतरेंगी रॉयल्स, मुम्बई सहित ये टीमें

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में इस बार राजस्थान रॉयल्स, मुम्बई इंडियंस सहित चार टीमों के नये कोच होंगे। टीमों ने रिटेंशन के जरिये कई नये खिलाड़ियों को शामिल किया है जबकि कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है। ऐसे में आईपीएल 2025 इस बार खिलाड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि विभिन्न कोच के लिए भी अहम रहेगा।

राहुल द्रविड़- सितंबर 2024 में द्रविड़ को राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के साथ आईपीएल खिताब जिताने के लिए एक करार 2025 सत्र के लिए किया है। द्रविड़ ने कहा कि मैं उस फ्रेंचाइजी में वापसी करके खुश हू, जिसे मैं कई सालों से अपना घर कहता रहा हू। विश्व कप के बाद, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक और चुनौती लेने का सही समय है और रॉयल्स ऐसा करने के लिए सबसे सही जगह रहेगी।

महेला जयवर्धने- श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने को 2025 आईपीएल के लिए मुंबई इंडियंस का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। जयवर्धने, जो पहले मुंबई इंडियंस समूह के क्रिकेट के वैश्विक प्रमुख थे, 2025 सत्र के लिए दक्षिण अफ्रीका के मार्क बाउचर की जगह कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

रिकी पोंटिंग- आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स ने पोंटिंग को अपना नया मुख्य कोच घोषित किया। पोंटिंग साल 2025 सीजन और उसके बाद के लिए टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने कोच बनने के बाद कहा कि मुझे नया मुख्य कोच बनने का अवसर देने के लिए मैं पंजाब किंग्स का आभारी हू। मैं नई चुनौती लेने के लिए उत्साहित हू और सभी के सहयोग से टीम को आगे ले जाने का प्रयास करुगा। इसके लिए मेरी प्रबंधन से भी बात हुई है।

हेमांग बदानी- भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हेमांग बदानी को दिल्ली कैपिटल्स ने मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। दिल्ली कैपिटल्स ने 2025 आईपीएल से नया कोचिंग स्टाफ भी रखा है। बदानी ने 4 टेस्ट और 40 एकदिवसीय मैचों में भारत की ओर से खेला है। वह विभिन्न लीगों में कोच भी रहे हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी को हटाये जाने से निराश हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी को हटाये जाने को निराशाजनक बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना था जो अब पूरा नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में अधिक से अधिक पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को कार्यक्रम हटा दिया है। इन खेलों में ही भारत को अधिक पदक मिलते रहे है। अब केवल 10 खेलों को शामिल किया गया है। टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी इन खेलों से हटा दिया है। हरमनप्रीत ने कहा ,'' यह अच्छा टूर्नामेंट था। हमारा लक्ष्य इस बार उसमें स्वर्ण पदक जीतना था।'' भारतीय टीम 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 0-7 से हार गयीं थी। साल 2018 में गोल्ड कोस्ट खेलों में उसे इंग्लैंड से 1- 2 से हार का सामना करना पड़ा था। तब टीम चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता जबकि महिला टीम ने साल 2002 में मैनचेस्टर खेलों में स्वर्ण जीता था। हरमनप्रीत ने कहा ,'' हमारे हाथ में जो नहीं है, उसके बारे में सोचने से कोई लाभ नहीं है। कोच क्रेग फुल्टोन ने भी कहा कि हॉकी का राष्ट्रीमण्डल से बाहर होना दुखद है पर इसके बारे में विचार करने की जगह हमें आने वाली मुकाबलों पर ध्यान देना होगा।

अगले सत्र में नरसिंहगढ स्टेडियम हो सकता है केकेआर का घरेलू मैदान

नई दिल्ली । कोलकाता के ईडन गार्डन में जारी नवीनीकरण के काम को देखते हुए अब कोलकाता नाइटनराइडर्स (केकेआर) की टीम त्रिपुरा के नरसिंहगढ में बन रहे अतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 2025 में अपने घरेलू मुकाबले खेल सकती है। नरसिंहगढ स्टेडियम का निर्माण 2017 में शुरू हुआ था। इसका काम अगले साल की शुरुआत में पूरा हो सकता है। त्रिपुरा क्रिकेट संघ के सचिव सुब्रत डे ने कहा,'' आईपीएल अध्यक्ष अरूण कुमार धूमल ने हाल ही में स्टेडियम का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि अगर फरवरी तक स्टेडियम तैयार हो जाता है तो यह केकेआर का दूसरा घरेलू मैदान हो सकता है। हमारे पास आईपीएल मैचों की मेजबानी का सुनहरा मौका है इसीलिए हमने मशहूर करट्रक्शन एजेंसी को काम फरवरी 2025 तक पूरा करने के लिये कहा है।'' वही केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब जीता था। केकेआर ने इसके फाइनल में आसानी से जीत हासिल की थी। अभी तक केकेआर का घरेलू मैदान ईडन गार्डन रहा था. लेकिन आने वाले समय में यह बदल सकता है।

वह आरसीबी की सफलता की कुंजी है : विराट कोहली पर बोले एंडी फ्लावर

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीज़न से पहले अपने टीम के करिश्माई भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को बरकरार रखने के बाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि 35 वर्षीय- पुराना भविष्य में फ्रैंचाइज़ी की सफलता की कुंजी होगी। बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने इस साल होने वाली आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से पहले रजत पाटीदार और यश दयाल के साथ विराट कोहली को बरकरार रखा है।

पूर्व क्रिकेटर ने यह भी उल्लेख किया कि कैसे कोहली आरसीबी के उन कप्तानों में से एक है जिन्होंने सीजन के पहले भाग में खराब प्रदर्शन के बावजूद फ्रेंचाइजी को प्लेऑफ में पहुंचने में मदद की। उन्होंने कहा कि विराट का बरकरार रहना भारत में किसी के लिए आश्चर्य की बात नहीं होगी। वह भविष्य में आरसीबी की सफलता की कुंजी हैं और रहेंगे। वह पिछले साल सनसनीखेज थे। वह उन नेताओं में से एक थे जिन्होंने पहले भाग में खराब प्रदर्शन के बावजूद हमें प्लेऑफ में पहुंचाया।

फ्लॉवर की टिप्पणी कई मीडिया रिपोर्टों के बीच आई है जिसमें दावा किया गया है कि भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर से आरसीबी के कप्तान के रूप में वापस आएंगे। विराट ने 2013 के बाद से एक कप्तान के रूप में एक उतार-चढ़ाव भरी यात्रा के बाद 2021 सीज़न में पद छोड़ दिया था। वह 2016 में टीम को फाइनल तक ले गए थे जहां सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार मिली थी।

आईपीएल 2024 में कोहली ने 15 मैच खेलकर 154.70 की स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए थे। उन्होंने 17वें सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए। कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हुए हैं, उन्होंने 252 मैचों में 131.97 की स्ट्राइक रेट से 8004 रन बनाए है।

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्णा शर्मा। सम्पादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: ब्रह्मदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

विक्की कौशल ने एंग्जायटी से निपटने के बारे में की खुलकर

अभिनेता विक्की कौशल ने अपनी फिल्मों से बॉलीवुड में काफी नाम कमाया है। अभिनेता की गिनती आज बॉलीवुड के टॉप कलाकारों की लिस्ट में होती है। हालांकि, विक्की आज जिस मुकाम पर हैं, उसके लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि करियर में हर तरह का फेज फेस करने के बाद उन्होंने एंग्जायटी से कैसे डील की है।

एंग्जायटी से ऐसे डील करते हैं विक्की

हार्पर बाजार के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, विक्की ने साझा किया, चिंता के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि इसे स्वीकार किया जाए। उन्होंने एक वरिष्ठ अभिनेता से मिली सलाह को याद करते हुए कहा, एक वरिष्ठ अभिनेता ने एक बार मुझसे कहा था कि चिंता को अपना दोस्त बनाओ। यह हमेशा रहेगी; आपको बस इसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। इसे स्वीकार करना एक बेहतरीन पहला कदम है।

सलाह को मानकर करते हैं डील

विक्की ने क्रिएटिविटी से जुड़े रहने के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में वे चिंता में फंसने के बजाय अपनी क्रिएटिविटी पर ध्यान केंद्रित करके आगे बढ़ते हैं। इस समय वे खुद को निर्देशन की दुनिया की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं फिल्म निर्माण को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हूं। मुझे अभी तक यकीन नहीं है कि मैं निर्देशन में कदम रखूंगा या नहीं, लेकिन मैं बहुत ही उत्सुक हूं।

बॉक्स ऑफिस पर असफल रही बैड न्यूज

विक्की को आखिरी बार आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित बैड न्यूज में देखा गया था। इस रोमांटिक कॉमेडी में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी थे। यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया पाने में विफल रही।

इस फिल्म में आएंगे नजर

अभिनेता अगली बार छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अभिनीत यह फिल्म दिसंबर में रिलीज होने वाली है।

कृति सेनन के बाद मीना कुमारी के किरदार में ढलने को तैयार कियारा आडवाणी?

प्रशंसकों को एक दिलचस्प कहानी देखने को मिलने वाली है क्योंकि निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म कमाल और मीना में फिल्म निर्माता कमाल अमरोही और अभिनेत्री मीना कुमारी की दिलचस्प प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म 2026 में रिलीज के लिए निर्धारित है, जबकि कलाकारों का विवरण गुप्त रखा गया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मीना कुमारी की भूमिका के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी को चुना गया है।

पोस्ट ने बढ़ाई अटकलें

रेडिट उपयोगकर्ता ने इंस्टाग्राम पर यूडली फिल्म्स द्वारा पोस्ट की गई फिल्म कमाल और मीना के वीडियो घोषणा का स्क्रीनशॉट साझा किया। पोस्ट को अभिनेत्री द्वारा लाइक किए जाने के बाद कियारा आडवाणी के मीना कुमारी की भूमिका निभाने की अटकलें तेज हो गईं। इतना ही नहीं बल्कि ईगल-आइड फैन ने यह भी देखा कि सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने हाल ही में शेरशाह अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने उनकी पोस्ट पर टिप्पणियां भी कीं, जिससे इन अफवाहों को और हवा मिली।

कियारा आडवाणी निभाएंगी मीना कुमारी का किरदार?

स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, हालांकि अभी भी यह कहना जल्दबाजी होगी लेकिन मीना कुमारी की बायोपिक के निर्देशक ने हाल ही में कियारा को फॉलो करना शुरू कर दिया है और अब भी उनकी पिछली तीन-चार पोस्ट पर कमेंट करना जारी रखा है। कियारा एकमात्र ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्हें फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो पसंद आया।

घोषणा ने बढ़ाया उत्साह

फिल्म की घोषणा करते हुए फिल्म निर्माता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबा नोट लिखा। उनके नोट के एक हिस्से में लिखा था, कमाल और मीना- एक सिनेमाई अनुभव जो हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित प्रेम कहानियों में से एक होने का वादा करते हैं। कमाल और मीना महान निर्देशक और पटकथा लेखक कमाल अमरोही और प्रसिद्ध अभिनेत्री मीना कुमारी के बीच वास्तविक जीवन के रोमांस को जीवंत करेगी।

मनीष मल्होत्रा बनाएंगे मीना कुमारी की बायोपिक

पोस्ट में आगे लिखा है, कमाल साहब और मीना जी के बीच आदान-प्रदान किए गए 500 से अधिक हस्तलिखित पत्रों के साथ-साथ उनके जीवन का विवरण देने वाली व्यक्तिगत पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ, इस कहानी को बताने में हमारे पास जो अंतर्दृष्टि और शोध है वह अमूल्य है। इस अविश्वसनीय सच्ची कहानी को निर्देशित करना एक बड़ा सौभाग्य है, हालांकि जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। दूसरी ओर, फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने भी मीना कुमारी के जीवन पर केंद्रित एक बायोपिक की घोषणा की है, जिसमें अभिनेत्री कृति सेनन मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि अज्ञात कारणों से फिल्म में देरी हुई थी। फिल्म के 2025 की शुरुआत में फ्लोर पर जाने की संभावना है।

भूल भुलैया 3 में कैमियो के सवाल पर बोले कार्तिक

कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह भी देखा जा रहा है। कार्तिक भी अपनी फिल्म के प्रमोशन में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। इस बीच उनसे एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या वो भविष्य में किसी और अभिनेता को फिल्म की स्टारकास्ट में जुड़ते हुए देखना चाहेंगे। इसका जवाब देते हुए अभिनेता ने साफ कहा कि उनकी फिल्म को किसी तरह के दिखावे या कैमियो की जरूरत नहीं है।

कहानी और फिल्म में है विश्वास

जूम से बातचीत के दौरान विद्या बालन और कार्तिक आर्यन से फिल्म की स्टारकास्ट में किसी और सितारे के जुड़ने को लेकर पूछा गया था। इसका जवाब देते हुए कार्तिक आर्यन ने साफ किया कि उनकी फिल्म को किसी अतिरिक्त कैमियो की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा ये फिल्म वो सभी कलाकारों के साथ पूरी है, जो इस फिल्म में पहले से काम कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, ठहमें हमारी फिल्म और हमारी कहानी दोनों में विश्वास है। कार्तिक आर्यन ने आगे कहा कि फिल्म की मौजूदा स्टारकास्ट काफी अच्छी है। उनके बात को समर्थन देते हुए विद्या बालन ने कहा कि इसमें कोई दो राय ही नहीं है। इस वक्त भूल भुलैया 3 की टीम फिल्म का जोरदार प्रमोशन करने में जुटी हुई है। फिल्म के निर्माता इस फिल्म को अंतिम रूप देने के तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन अंतिम चरण में है। निर्माता इसे एक दो-दिन में सेंसर बोर्ड को सौंपने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि फिल्म की पूरी समय अवधि 2 घंटे 38 मिनट है।

मीडिया में सितारों पर निश्चित छवि बनाए रखने का दबाव होता है

अभिनेत्री साई पल्लवी इन दिनों अपनी बहुप्रीक्षित फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा उनके फैंस उनकी आगामी फिल्म थंडेल में भी देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री अक्सर विवादों से दूर रहना पसंद करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पीआर एजेंसी की आवश्यकता नहीं महसूस होती है। उन्होंने कहा कि वो लो प्रोफाइल रहना पसंद करती हैं। हाल में ही बातचीत के दौरान, साई पल्लवी ने खुलासा किया कि वह पीआर एजेंसी क्यों नहीं रखना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि वह चीजों को निजी रखना पसंद करती हैं, क्योंकि वह दुनिया के सामने भी वास्तविक छवि के साथ रहना पसंद करती हैं। पल्लवी ने खुलासा करते हुए कहा, बॉलीवुड में मेरी एक परिचित महिला थी, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे पीआर एजेंसी की आवश्यकता है, लेकिन मुझे इसकी आवश्यकता समझ में नहीं आई, क्योंकि जब मैं फिल्में करती हूं, तो मैं इंटरव्यू देती हूं फिर मैंने उससे पूछा कि मुझे पीआर एजेंसी की आवश्यकता ही क्यों है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि कैसे उस महिला ने उन्हें बताया कि दर्शकों के लिए उनके बारे में बात करना महत्वपूर्ण है, भले ही उनकी कोई फिल्म न भी आ रही हो। इस पर अभिनेत्री ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि अगर उनके बारे में लगातार बात की जाती है, तो दर्शक उनसे ऊब जाएंगे। अभिनेत्री ने कहा, मुझे बताया गया था कि जब मैं फिल्में नहीं कर रही थी, तब भी लोगों का मेरे बारे में बात करना जरूरी था। लेकिन क्यों? अगर हर कोई मेरे बारे में इतना बात कर रहा है, तो क्या कुछ समय बाद यह उबाऊ नहीं हो जाएगा? मुझे ये बातें समझ में नहीं आतीं। इस दौरान अभिनेत्री ने इस दबाव पर बात की कि कैसे सितारों पर मीडिया में एक निश्चित छवि बनाए रखने का दबाव होता है। अभिनेत्री ने कहा कि वह लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से कहें तो, मैं जो हूं, वह तभी हो सकता है जब वह सामाजिक नियमों के अनुरूप हो। अगर मैं खुद नहीं हूं तो मैं असहज हो जाऊंगी। अफवाहें आज कल धारणाएं बन जाती हैं।

फ्लॉप होने पर भी कैसे मिला अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में अहम किरदार

सिंघम अगेन, इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सिर्फ तीन दिन अपनी रिलीज से दूर सिंघम 3 को देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे, जो इस फिल्म का काफी दमदार किरदार है। आखिरकार, सिंघम 3 में अर्जुन को यह अहम किरदार कैसे मिला, जबकि उनकी कई लगातार कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुईं। आइए जानते हैं कि आखिर क्यूं रोहित ने उन्हें यह किरदार ऑफर किया।

अर्जुन को कैसे मिली सिंघम अगेन

2012 में इश्कजादे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के बाद से अर्जुन कपूर ने कई बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। तब से, वे कई हिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में, उनकी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। ऐसा होने के बाद भी रोहित ने उन्हें अपनी आगामी एक्शन फिल्म सिंघम अगेन में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन के लिए संवाद लिखने वाले मिलाप जावेरी ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्म निर्माता एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, जो लोगों की काबिलियत पर भरोसा करते हैं, भले ही उनका करियर ग्राफ कितना भी ऊंचा या नीचा क्यों न हो। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपनी आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म में खलनायक की भूमिका के लिए अर्जुन कपूर को क्यों चुना , तो उन्होंने कहा, उन्होंने सिंघम अगेन के लिए अर्जुन कपूर में प्रतिभा और जुनून देखा। उनका मानना था कि अर्जुन कपूर को बस सही अवसर की जरूरत है, और यही उनकी प्रतिभा है। एक बार फिल्म रिलीज होने के बाद, हम देखेंगे कि रोहित कितने सही थे। रोहित शेट्टी भारत के आज सबसे बड़े निर्देशकों में से एक हैं, जब भी वह सेट पर आते हैं, तो पूरा क्रू उनका सम्मान करता है। मिलाप ने रोहित के लिए कहा, उन्होंने अर्जुन को अपनी इस कॉप यूनिवर्स फिल्म में जोड़ा और यह उनके लिए एक शानदार मौका है। रोहित को अर्जुन पर विश्वास था और यही बात फिल्म में दिखाई देगी।

अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 पर दिया बड़ा अपडेट

सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है। एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है। एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

बज्मी ने की वरुण धवन की तारीफ

अनीस बज्मी ने आज के अभिनेताओं की प्रभावशाली हास्य प्रतिभा को उजागर करने में भी थोड़ा समय लिया। उन्होंने विशेष रूप से वरुण धवन की प्रशंसा की, जो अगली कड़ी में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक ने धवन की कॉमिक टाइमिंग की प्रशंसा की, जो निश्चित रूप से फिल्म में एक नई ऊर्जा जोड़ेगी।

राजकुमार राव की तारीफ में पढ़े कसीदे

अनीस बज्मी ने वरुण धवन के साथ-साथ आयुष्मान खुराना और राजकुमार राव के काम की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने राव के अभिनय का आनंद लिया है, यहां तक कि उन फिल्मों में भी जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उनका मानना है कि अगर ये तीनों कलाकार किसी फिल्म में साथ आएंगे तो दर्शकों को उनका एक नया पक्ष देखने को मिलेगा।

नो एंट्री 2 में होंगी सात अभिनेत्रियां

नो एंट्री 2 से वरुण धवन के अलावा अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ भी जुड़ गए हैं। अनीस बज्मी फिल्म के लेखक और निर्देशक दोनों के रूप में काम करेंगे। तीनों प्रमुख कलाकार स्क्रिप्ट को लेकर बहुत उत्साहित हैं और कहानी का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। हाल की रिपोर्टों में महिला किरदारों के एक रोमांचक समूह का भी उल्लेख किया गया है। वरुण, अर्जुन और दिलजीत दोहरी भूमिका निभाएंगे, जो दोगुना मनोरंजन का वादा करता है। इसके अतिरिक्त, फिल्म में सात महिला कलाकारों की एक मजबूत कास्ट शामिल होगी, जो कहानी में गहराई और विविधता जोड़ेगी।